फाल्गुन शुक्ल - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 224 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 11-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 गाय की महिमा को समझते हुए प्रतिदिन करें गौसेवा : भजनलाल

6 समाज को पुरुषों की पीड़ा भी समझनी होगी

7 यशराज फिल्म्स की फिल्म में काम करेंगी श्रिया पिलगांवकर

फर्स्ट टेक

रूस ने दो ब्रिटिश राजनयिकों को निष्कासित किया

मॉस्को/एपी। रूस ने सोमवार को कहा कि वह मॉस्को स्थित ब्रिटेन के दूतावास में कार्यरत दो ब्रिटिश राजनयिकों को जासूसी के आरोपों के चलते देश से निष्कासित कर रहा है। हालांकि ब्रिटेन ने इस आरोप को ''दुर्भावनापूर्ण और निराधार'' करार दिया है। सरकारी समाचार एजेंसी 'आरआईए नोवोस्ती' ने रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) के हवाले से एक बयान में कहा कि दोनों राजनयिकों ने देश में प्रवेश की अनुमति मांगते समय गलत व्यक्तिगत जानकारी प्रदान की थी और कथित तौर पर खुफिया गतिविधियों में शामिल थे, जिससे रूस की सुरक्षा को खतरा उत्पन हुआ। उसने कोई सबूत पेश नहीं किया। 'आरआईए नोवोस्ती' की खबर के अनुसार, राजनयिकों की मान्यता रद्द करने का निर्णय लिया गया है और उन्हें दो सप्ताह के भीतर रूस छोड़ने का आदेश दिया गया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक अलग बयान में कहा कि उसने ब्रिटिश दूतावास के एक अधिकारी को तलब किया है।

यूक्रेन के लिए सुरक्षा बल पर पेरिस योजना वार्ता में 30 से अधिक देश हिस्सा लेंगे

पेरिस/एपी। यूक्रेन के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल के निर्माण पर पेरिस वार्ता में 30 से अधिक देशों के सैन्य अधिकारी हिस्सा लेंगे। फ्रांसीसी सेना के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय बल का उद्देश्य यूक्रेन में युद्ध विराम लागू होने के बाद रूस को दूसरा आक्रमण शुरू करने से रोकना होगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार की चर्चा में भाग लेने वालों की लंबी सूची में एशियाई और ओशिनियाई देश भी शामिल होंगे, जो डिजिटल माध्यम से इसमें जुड़ेंगे। फ्रांसीसी सैन्य अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि उस बल की रूपरेखा गोपनीय है और पेरिस वार्ता में इस पर विचार किया जाएगा।

'एक्स' पर सेवाएं कुछ देर के लिए हुई बाधित

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) की सेवाएं सोमवार को बाधित हुई। दुनिया भर के हजारों उपयोगकर्ताओं ने एक्स में आ रही समस्याओं की सूचना दी है। वास्तविक समय पर समस्याओं और सेवाएं बाधित होने पर नजर रखने वाली डाउनडिटेक्टर के अनुसार, दोपहर साढ़े तीन बजे समस्याएं चरम पर थीं। इसमें भारतीय उपयोगकर्ताओं की ओर से लगभग 2,200 रिपोर्टें आईं और शाम साढ़े सात बजे फिर से समस्या बढ़ गयी।

11-03-2025 सूर्यास्त 6:18 बजे | 12-03-2025 सूर्योदय 6:18 बजे

BSE 74,115.17 (-217.41) | NSE 22,460.30 (-92.20)

सोना 8,997 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 107,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घायल लोकतंत्र

कानून सभी की मुट्ठी में,
हम आज हुए इतने स्वतंत्र।
हैं जाति भेद आरक्षण हित,
विस्मृत समता के मूल मंत्र।
कैसे चल पाएगी मशीन,
जब जंग लगे हों सभी यंत्र।
मजबूत हो गया व्यक्तिवाद,
घायल दिखता है लोकतंत्र।।

पूरी मानवता को एकजुट करता है आध्यात्म : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

हमेशा आध्यात्मिक चेतना को जागृत रखने वाले लोगों को आंतरिक शांति का अनुभव होता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को यहां कहा कि जो व्यक्ति हमेशा आध्यात्मिक चेतना को जागृत रखता है, उसे आंतरिक शांति का अनुभव होता है। वह ब्रह्माकुमारीज के स्वर्ण जयंती के मौके पर राज्य स्तरीय अभियान की शुरूआत करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि आध्यात्म मानव निर्मित सीमाओं से ऊपर उठकर पूरी मानवता को एकजुट करता है। उन्होंने कहा, ''सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक या आध्यात्म पर आधारित किसी भी अन्य प्रकार की व्यवस्था नैतिक और टिकाऊ होती है। जो व्यक्ति हमेशा आध्यात्मिक चेतना को जागृत रखता है, उसका मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा वह आंतरिक शांति का अनुभव करता है।''

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक शांति का अनुभव करने वाला व्यक्ति दूसरों के जीवन को भी सकारात्मक ऊर्जा से समृद्ध करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आध्यात्मिक शांति की वास्तविक उपयोगिता अकेले रहने में नहीं है।

मुर्मू ने कहा कि इसका इस्तेमाल स्वस्थ, मजबूत और समृद्ध समाज और राष्ट्र के निर्माण में किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संगठन आध्यात्मिक ऊर्जा का इस्तेमाल राष्ट्र और समाज के लाभ के लिए कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह संगठन नशाखोरी के खिलाफ अभियान, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण जैसे कई सामाजिक और राष्ट्रीय पहलों में योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ब्रह्माकुमारी परिवार आध्यात्मिकता के बल पर लोगों के समग्र स्वास्थ्य और देश के समग्र विकास में योगदान देता रहेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर जारी विवाद के बीच तमिलनाडु सरकार पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने साधा निशाना

जिनके पास ठोस तथ्य नहीं वे दूसरों को गुमराह करने के लिए हंगामा कर रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन को लेकर जारी विवाद के बीच, तमिलनाडु सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि जिनके पास ठोस तथ्य नहीं हैं वे केवल दूसरों को गुमराह करने के लिए हंगामा खड़ा करने की कोशिश करते हैं।

संसद परिसर में संवाददाताओं से बात करते हुए प्रधान ने कहा कि द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) नीत तमिलनाडु सरकार को छात्रों के हित के लिए राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। उन्होंने कहा, ''जिनके पास ठोस तथ्य नहीं हैं, वे केवल हंगामा करना चाहते हैं। वे हंगामा कर रहे हैं और दूसरों को गुमराह कर रहे हैं। आज 10 मार्च है और इस वित्तीय वर्ष के पूरा होने में कुछ ही दिन बचे हैं। (केंद्र) सरकार को तमिलनाडु को पीएम-श्री (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) का आवंटन करने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन उनकी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।''

प्रधान ने कहा, ''जो भी पीएम-श्री कार्यक्रम में शामिल नहीं होना चाहते, मैं उनसे अपील करता हूं। पीएम श्री छात्रों के लाभ के लिए एक योजना है और तमिलनाडु में पठन-पाठन का माध्यम तमिल ही रहेगा। वे किस बात का विरोध कर रहे हैं, मुझे समझ में नहीं आ रहा?''

सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही लगभग 30 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी क्योंकि द्रमुक सदस्यों ने प्रधान की इस टिप्पणी पर विरोध जताया कि तमिलनाडु में पीएम श्री योजना को लागू नहीं कर छात्रों के साथ अन्याय किया जा रहा है।

पीएम श्री योजना पर एक प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रधान ने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने केंद्र प्रायोजित इस योजना के कार्यान्वयन पर अपना रुख बदल दिया है, जिसमें केंद्र, राज्य या स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों को मजबूत बनाने की परिकल्पना की गई है।

संबंधित राज्य को केंद्र सरकार के साथ इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना होगा कि वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करेगा और इसके बदले में केंद्र सरकार निधि आवंटित करेगी।

'प्रधान अंहकारी', अपनी जुबान संभालें : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि वह खुद को राजा समझकर 'अहंकार' में बात करते हैं। उन्होंने प्रधान से अपनी जुबान पर नियंत्रण रखने को भी कहा। स्टालिन ने स्पष्ट रूप से कहा कि तमिलनाडु सरकार केंद्र की 'पीएम श्री' योजना को लागू करने के लिए आगे नहीं आई है और जब ऐसा है तो कोई भी उन्हें इसके लिए राजी नहीं कर सकता।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर जारी एक पोस्ट में कहा, बस यह बताइए कि क्या आप वह कोष जारी कर सकते हैं या नहीं, जो हमसे एकत्र किया गया था और जो तमिलनाडु के विद्यार्थियों के लिए है। प्रधान ने स्टालिन को पत्र लिखकर तमिलनाडु द्वारा नई शिक्षा नीति, तीन भाषा नीति और प्रधानमंत्री श्री को लेकर हुए समझौता ज्ञापन को अस्वीकार करने की बात रेखांकित की थी। इसका संदर्भ देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार लोगों के विचारों का सम्मान करते हुए काम करती है, जबकि भाजपा नेता नागपुर से आए ''आदेश'' से बंधे रहते हैं।

उन्होंने द्रमुक सांसदों को निशाना बनाने के लिए प्रधान की आलोचना की और कहा कि केंद्रीय मंत्री ने धनराशि जारी न करके तमिलनाडु को धोखा दिया है। स्टालिन ने सवाल किया, आप तमिलनाडु के लोगों का अपमान कर रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे स्वीकार करते हैं? इससे पहले, दिन में, द्रमुक सदस्यों द्वारा प्रधान की इस टिप्पणी पर विरोध जताए जाने के बाद लोकसभा की कार्यवाही लगभग 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई थी। प्रधान ने तमिलनाडु सरकार पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम एसएचआरआई) योजना के कार्यान्वयन के मुद्दे पर ''बेईमान'' होने का आरोप लगाया था।

मॉरीशस यात्रा आपसी प्रगति व समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी मॉरीशस की यात्रा को आपसी प्रगति और समृद्धि के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया है।

मोदी ने मॉरीशस की यात्रा पर रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा,मेरे मित्र प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के निमंत्रण पर, मैं मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए मॉरीशस की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर जा रहा हूँ।

उन्होंने कहा,मॉरीशस एक करीबी समुद्री पड़ोसी, हिंद महासागर में एक प्रमुख साझीदार और अफ्रीकी महाद्वीप का प्रवेश द्वार है। हम इतिहास, भूगोल और संस्कृति से जुड़े हुए हैं। प्रगाढ आपसी विश्वास, लोकतंत्र के मूल्यों में साझा भरोसा और हमारी विविधता का उत्सव मनाना हमारी शक्ति हैं। लोगों के बीच घनिष्ठ और ऐतिहासिक जुड़ाव साझा गौरव का स्रोत है। हमने पिछले दस वर्षों में लोगों को ध्यान में रखकर पहल करते हुए महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा, मैं अपने सागर विजन के हिस्से के रूप में, अपने लोगों की प्रगति और समृद्धि के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा एवं विकास के लिए अपनी स्थायी मित्रता को मजबूत करने तथा अपने सभी पहलुओं में अपनी साझीदारी को बढ़ाने के लिए मॉरीशस नेतृत्व के साथ जुड़ने के अवसर की प्रतीक्षा में हूँ।

महाकुंभ में भगदड़ की जांच के लिए गठित आयोग ने की बैठक

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। महाकुंभ में मौनी अमावस्या (29 जनवरी) को संगम क्षेत्र के पास हुई भगदड़ की घटना की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग ने सोमवार को यहां 'सर्किट हाउस' में बैठक की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि तीन सदस्यीय जांच आयोग ने महाकुंभ से जुड़े अधिकारियों के बयान दर्ज किए और दस्तावेजों को देखा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महाकुंभ में भगदड़ की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने 31 जनवरी को घटनास्थल का निरीक्षण किया था और अधिकारियों से जानकारी ली थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हर्ष कुमार की अध्यक्षता वाले इस आयोग में पूर्व पुलिस महानिदेशक वी के गुप्ता और सेवानिवृत्त आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारी डी के सिंह शामिल हैं।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के जश्न के दौरान महू में हिंसा

गुजरात के गांधीनगर जिले में भी हुई हिंसा की घटना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महू/गांधीनगर/भाषा। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के जश्न के दौरान मध्यप्रदेश के महू शहर और गुजरात के गांधीनगर जिले में हिंसा की घटना के परिणामस्वरूप दोनों राज्यों में अशांति पैदा हो गई और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।

इंदौर जिले के महू में रविवार रात को जश्न मना रही रैली पर पथराव की घटनाओं के बाद पुलिस ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया। पथराव के कारण चार लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए तुरंत कार्रवाई की।

इस बीच, गांधीनगर में न्यूजीलैंड पर भारतीय टीम की जीत का देर रात जश्न मना रही मोटरसाइकिल रैली के दौरान हिंसा भड़क जाने के मामले में पुलिस ने 11 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तुरंत कार्रवाई करते हुए कई गिरफ्तारियां कीं।

इंदौर के जिलाधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि महू शहर में विभिन्न स्थानों पर हिंसा की पांच अलग-अलग घटनाओं में चार लोग घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि हिंसा के दौरान कई वाहनों को निशाना बनाया गया, जिसमें कथित तौर पर तीन कारों और कई दोपहिया वाहनों पर हमला किया गया और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया। सिंह ने बताया कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि अधिकारी मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा, अब तक 13 लोगों को आगजनी और हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। हम इसमें शामिल कुछ लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के कड़े प्रावधान भी लगाएंगे। उन्होंने कहा कि बढ़ती अशांति के जवाब में, पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और शांति बहाल करने के लिए काम किया।

रेलवे संशोधन विधेयक को संसद की मंजूरी

पांच वर्ष में सभी ट्रेनों में कवच लगाने का संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे में यात्री सुरक्षा के बारे में सरकार की पूर्ण प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सोमवार को राज्यसभा में कहा कि नई विकसित टक्कर रोधी प्रणाली कवच अगले पांच वर्षों में पूरे नेटवर्क पर लगा दी जायेगी।

वैष्णव ने सदन में रेल संशोधन (विधेयक) 2024 पर करीब तीन घंटे से अधिक चली चर्चा का जवाब देते हुए महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के दौरान सीसी टीवी कैमरे बंद किये जाने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कोई कैमरा बंद नहीं किया गया था।

रेल मंत्री के जवाब के बाद सदन ने विपक्ष के संशोधन प्रस्तावों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया जिससे इस पर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है।

वैष्णव ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की घटना दुखद थी और इससे हमने सबक लेकर प्लेटफार्मों पर भीड़ नियंत्रण की एक नई व्यवस्था का परीक्षण शुरू किया है। भीड से निपटने के लिए प्लेटफार्मों पर विशेष होल्डिंग एरिया बनाये जायेंगे। दिल्ली के आनंद विहार सहित चार स्टेशनों पर इसका परीक्षण चल रहा है।

नेपाल में राजशाही समर्थक रैली में योगी आदित्यनाथ की तस्वीर प्रदर्शित करने से विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल के काठमांडू में पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत में आयोजित राजशाही समर्थक रैली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें दिखाए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया।

देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों का दौरा करने के बाद 77 वर्षीय ज्ञानेंद्र रविवार को जैसे ही पोखरा से 'सिमरिक एयर हेलीकॉप्टर' में सवार होकर त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे, राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों समर्थकों ने उनके पक्ष में नारे लगाने शुरू कर दिए।

रैली का उद्देश्य नेपाल में राजशाही की बहाली के लिए समर्थन प्रदर्शित करना था। हवाई अड्डे के बाहर सड़क के दोनों ओर ज्ञानेंद्र की तस्वीर और राष्ट्रीय ध्वज लिए मोटरसाइकिलों पर सवार सैकड़ों समर्थकों ने उनका स्वागत किया। कुछ समर्थकों ने ज्ञानेंद्र की तस्वीर के साथ आदित्यनाथ की तस्वीर भी दिखाई।

हालांकि, ज्ञानेंद्र की तस्वीर के साथ भाजपा नेता योगी आदित्यनाथ की तस्वीर शामिल किए जाने की विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर आम जनता ने भी कड़ी आलोचना की। इस आलोचना के बाद आरपीपी प्रवक्ता ज्ञानेंद्र शाही ने आरोप लगाया कि आदित्यनाथ की तस्वीर का प्रदर्शन केपी ओली के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा राजशाही समर्थक आंदोलन को बदनाम करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है।

उन्होंने ओली सरकार पर घुसपैठ के जरिए इस कदम को अंजाम देने का आरोप लगाया। शाही ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया, ''प्रधानमंत्री केपी ओली के मुख्य सलाहकार बिष्णु रिमल के निर्देश पर ओली की सलाह पर रैली में योगी आदित्यनाथ की तस्वीर प्रदर्शित की गई।''

दुर्ग जिले में ईडी की गाड़ियों पर पथराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुर्ग/भाषा। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वाहनों पर प्रदर्शनकारियों ने पथराव कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यह घटना तब हुई जब ईडी के अधिकारी कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आवास पर छापेमारी करने के बाद लौट रहे थे। पथराव की घटना शाम के समय हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता कथित शराब घोटाला मामले में भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य के खिलाफ दर्ज धन शोधन के मामले की जांच के तहत ईडी की छापेमारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।

दुर्ग के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने बताया,हमें ईडी के अधिकारियों से मौखिक शिकायत मिली कि प्रदर्शनकारियों ने उनके वाहनों को रोकने की कोशिश की और पत्थर फेंके, जिससे एक वाहन की खिड़की का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया।

400 करोड़ रुपए के 'अवैध' विदेशी धन प्रेषण मामले में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने सोने, हीरे और कीमती रत्नों के फर्जी आयात के बदले करीब 400 करोड़ रुपये के कथित अवैध विदेशी धन प्रेषण से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में छापेमारी की है। ये छापे सात मार्च को मारे गए। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन का मामला जयपुर स्थित एक निर्दिष्ट अदालत के समक्ष सीमा शुल्क विभाग द्वारा दायर आरोपपत्र से उत्पन्न हुआ है। इसमें कहा गया है कि धन शोधन रोधी अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत राजस्थान के जयपुर, अजमेर और उदयपुर के अलावा नोएडा (उत्तर प्रदेश) और मुंबई (महाराष्ट्र) में सोलह स्थानों पर छापेमारी की गई।

महाराष्ट्र विधानसभा में सात लाख करोड़ रुपए का बजट पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने अगले वित्त वर्ष (2025-26) के लिए सोमवार को पेश 7,00,020 करोड़ रुपए के बजट में 'लाडकी बहिन' योजना के लिए 36,000 करोड़ रुपए आवंटित किए, लेकिन भत्ता राशि में बढ़ोतरी की कोई घोषणा नहीं की।

इसके साथ ही सीएनजी और एलपीजी वाहनों पर मोटर वाहन कर में एक प्रतिशत की वृद्धि का भी

लाडकी बहिन योजना के लिए 36,000 करोड़ रुपए

प्रस्ताव रखा गया। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्रालय के प्रभारी अजीत पवार ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करते हुए नई औद्योगिक नीति की घोषणा की, जिसमें 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश और 50 लाख नौकरियों के सृजन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पवार ने पड़ोसी

पालघर जिले में निर्माणाधीन वधावन बंदरगाह के पास महानगर में तीसरा हवाई अड्डा बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र को विकास केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है और 2047 तक इसकी अर्थव्यवस्था 1.5 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना के लिए 36,000 करोड़ रुपए आवंटित किए। हालांकि, बजट में योजना के लाभार्थियों को दिए जाने वाले भत्ते को 1,500 रुपए से बढ़ाकर 2,100 रुपए करने की चुनावी घोषणा के अनुरूप कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

हालांकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राजकोषीय संतुलन हासिल होने के बाद महायुति सरकार का चुनावी वादा पूरा किया जाएगा लेकिन यह अप्रैल से नहीं होगा।

हमारा एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्यः मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार एक करोड़ लखपति दीदी बनाने की योजना पर ध्यान देगी। इस योजना को केंद्र सरकार ने 2023 में पेश किया था। इसमें स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिला सदस्यों को 'लखपति दीदी' के रूप में मान्यता दी गई है, जिनकी कृषि, पशुपालन और छोटे उद्योगों से कम- से-कम एक लाख रुपए की वार्षिक आय है।

उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित करेगी। हमारा लक्ष्य एक लाख रुपए सालाना आय वाली एक करोड़ महिला लाभार्थियों को तैयार करना है।

इससे महिलाओं के लिए वित्तीय आजादी सुनिश्चित होगी और पर्यावरण अनुकूल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। अब तक 23 लाख से अधिक महिलाओं को इसका लाभ हुआ है। इस साल 24 लाख और महिलाओं को जोड़ने की योजना है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि लक्ष्य एक करोड़ महिला लाभार्थियों को 8,000-10,000 रुपए मासिक आय उपलब्ध कराना है। इससे आत्मनिर्भरता का एक मजबूत नेटवर्क तैयार होगा। विधानसभा में 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किए जाने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कृषि में कृत्रिम मेधा (एआई) की भूमिका का भी जिक्र किया।

छत्तीसगढ़ शराब 'घोटाला' मामले में ईडी ने भूपेश बघेल, उनके बेटे और अन्य के परिसरों में छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाला मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बेटे के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत उनके (पूर्व मुख्यमंत्री के) परिसरों पर सोमवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के भिलाई (दुर्ग जिले) स्थित परिसरों, चैतन्य बघेल के कथित करीबी सहयोगी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल और कुछ अन्य के परिसरों की भी धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि चैतन्य बघेल अपने पिता के साथ भिलाई में रहते हैं, इसलिये उस परिसर पर भी छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि संदेह है कि वह (चैतन्य बघेल) शराब घोटाले के अपराध से हुई आय के ''प्राप्तकर्ता'' हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में करीब 14-15 परिसरों पर छापे मारे जा रहे हैं।

'बघेल के खिलाफ छापेमारी प्रमुख मुद्दों से ध्यान भटकाने की रणनीति'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में सरकार के सामने मौजूद प्रमुख मुद्दों से ध्यान भटकाने के मकसद से छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के माध्यम से छापेमारी की कार्रवाई करवाई गई है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि यह छापेमारी संसद में प्रमुख मुद्दों पर जवाब से बचने के लिए सरकार शेरा ध्यान भटकाने वाली रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''ये ध्यान भटकाने वाली रणनीति हैं। जब भी संसद सत्र चल रहा होता है, तो लोगों के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जानी चाहिए, लेकिन वे इन मुद्दों से भागना चाहते हैं... सरकार जन केंद्रित मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहती है। इसलिए, जब भी संसद सत्र चल रहा है, वे ये ध्यान भटकाने वाली रणनीति अपनाते हैं। उन्हें ऐसा करने दीजिए।''

सरकार ने संसद से 51,463 करोड़ रुपए के अतिरिक्त व्यय की अनुमति मांगी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मार्च में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए 51,462.86 करोड़ रुपए अतिरिक्त व्यय करने के लिए सोमवार को संसद से अनुमोदन की मांग की। इस राशि का बड़ा हिस्सा पेंशन और उर्वरक पर सब्सिडी में जाएगा। सरकार ने 6.78 लाख करोड़ रुपए से अधिक के सकल अतिरिक्त व्यय की मांग की है, जिसमें से 6.27 लाख करोड़ रुपए बचत और प्राप्तियों से लिया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण श्रेरा लोकसभा में पेश अनुपूरक की अनुदान मांगों के दूसरे बैच के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में सरकार श्रेरा शुद्ध अतिरिक्त व्यय 51,462.86 करोड़ रुपए होगा। अतिरिक्त व्यय में उर्वरक सब्सिडी के लिए 12,000 करोड़ रु. और एकीकृत पेंशन योजना सहित सरकारी कर्मचारियों की पेंशन के लिए 13,449 करोड़ रुपए शामिल हैं। कुल खर्च में 8,476 करोड़ रुपए की रक्षा पेंशन और दूरसंचार विभाग को 5,322 करोड़ रुपए दिया जाना शामिल हैं।

पुरी ने अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बनने के लिए राज्यों का समर्थन मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा परिचालनरत मेट्रो सिस्टम है, जिसकी लंबाई 1,011 किलोमीटर है। साथ ही उन्होंने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े नेटवर्क बनने के लिए अमेरिका से आगे निकलने के वास्ते राज्य सरकारों के समर्थन की अपेक्षा जताई।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे पुरी ने कहा कि भूमि और शहरी परिवहन राज्य के विषय हैं, लेकिन केंद्र सरकार बाहरी एजेंसियों से वित्तीय सहायता और वित्त पोषण के मामले में मेट्रो नेटवर्क की स्थापना में राज्यों का सहयोग करती है।

मंत्री ने एमडीएमके सदस्य वाइको के पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि वह एक अधिक पूंजी लगने वाली परियोजना पर उनको आश्वासन नहीं दे सकते, क्योंकि परियोजनाओं को वित्त और व्यवहार्यता के मामले में गहन जांच की आवश्यकता होती है। उन्होंने राज्यों से प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ -साथ विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भेजने का भी आग्रह किया, ताकि केंद्र उनकी तेजी से जांच कर सके। वाइको ने चेन्नई में मेट्रो रेल परियोजना पर एक सवाल पूछा था, जिसे पिछले अक्टूबर में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। उनसे मदुरै और कोयंबटूर मेट्रो परियोजनाओं के लिए लंबित परियोजनाओं की मंजूरी के बारे में भी पूछा गया था, जिस पर मंत्री ने कहा कि वह परियोजनाओं की उचित परीक्षा के बिना एक आश्वासन नहीं दे सकते। पुरी ने कहा ''हमने 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के समय मेट्रो परियोजनाएं शुरू कीं। आज, हमारे पास 23 शहरों में 1,011 किमी मेट्रो परियोजनाएं हैं। हमारे पास निर्माणाधीन क्षेत्र 979 किमी है। मेट्रो या तो देश में 29 शहरों में संचालन में है या निर्माण के चरण में है।'' उन्होंने कहा कि 2002 और आज के समय के बीच, भारत में चीन और अमेरिका के बाद दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा ऑपरेटिंग मेट्रो सिस्टम है। उन्होंने कहा कि हमारा नेटवर्क 1,011 किमी और अमेरिका का लगभग 1,400 किमी हैं। पुरी ने कहा, ''शहरी परिवहन का दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बनने में ... हमें राज्य सरकारों के सहयोग की आवश्यकता है। सभी राज्य सरकारें हमारे साथ सहयोग कर रही हैं। जब प्रस्ताव हमें एक व्यापक तरीके से भेजे जाते हैं, तो प्रस्ताव को मंजूरी देने की संभावना अधिक है,।'' उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने सहयोगी मनोहरलाल की ओर से जवाब दे रहे हैं जो सदन में उपस्थित नहीं थे।

भारत को अमेरिका के साथ वार्ता के दौरान अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी चाहिए : एसजेएम

नई दिल्ली/भाषा। स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) ने सोमवार को कहा कि भारत को बहुपक्षीय समझौतों के बजाय द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के तहत अपने विदेशी व्यापार को बढ़ाना चाहिए और अमेरिका के साथ बातचीत करते समय अपने राष्ट्रीय हितों, विशेष रूप से किसानों और छोटे उद्यमियों के हितों की रक्षा करनी चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध संगठन ने एक बयान में कहा कि एसजेएम की राष्ट्रीय परिषद ने छत्तीसगढ़ में अपनी बैठक में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया। एसजेएम की रायपुर में आयोजित दो दिवसीय बैठक सोमवार को संपन्न हुई। इसमें बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की पारस्परिक शुल्क नीति सहित कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रस्ताव में कहा गया है, ''अमेरिकी राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने विश्व भर के कई देशों से आयात पर उच्च शुल्क (पारस्परिक आधार पर) लगाने की अपनी मंशा की घोषणा करके वैश्विक मुक्त व्यापार प्रणाली पर सीधा हमला किया है।'' इसमें कहा गया है कि इस कदम का उद्देश्य विनिर्माण को अमेरिका में वापस लाना है ताकि बेरोजगारी की समस्या का समाधान किया जा सके।

केंद्रीय विद्यालयों में दाखिले के लिए सांसद कोटा फिर शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं : प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि केंद्रीय विद्यालयों में दाखिले के लिए सांसद कोटा को फिर से शुरू करने का कोई प्रस्ताव फिलहाल सरकार के विचाराधीन नहीं है। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''केंद्रीय विद्यालय संगठन ने सांसद कोटा सहित कुछ विशेष प्रावधानों को वापस ले लिया, जो कक्षा की स्वीकृत सीट संख्या के अतिरिक्त था और छात्रों की शिक्षा को प्रभावित कर रहा था।'' प्रधान ने कहा, ''यह कोटा कक्षा की स्वीकृत सीट संख्या से अतिरिक्त था और इसलिए बेहतर छात्र-शिक्षक अनुपात (पीटीआर) को बनाए रखते हुए प्रणाली में गुणात्मक परिवर्तन लाने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप वांछित शिक्षण परिणाम प्राप्त करने के लिए इन्हें समाप्त कर दिया गया।'' पूर्व में विशेष प्रावधानों के तहत प्रत्येक सांसद को किसी केंद्रीय विद्यालय में 10 बच्चों के दाखिले के लिए सिफारिश करने का विशेषाधिकार प्राप्त था। यहां तक कि जिलाधिकारी को भी प्रायोजक प्राधिकरण कोटे के तहत 17 छात्रों के प्रवेश के लिए सिफारिश करने की शक्ति थी। लोकसभा के 543 और राज्यसभा के 245 सदस्य इस कोटे के तहत एक साल में कुल 7,880 बच्चों के दाखिले की सिफारिश कर सकते थे। केंद्र सरकार ने 2022 में यह कोटा खत्म कर दिया।

उद्योग बार-बार कर कम करने की मांग न करे, कल्याणकारी योजनाओं के लिए धन की जरूरत : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को उद्योग जगत से कहा कि वे करों में कटौती की बार-बार मांग न करें, क्योंकि सरकार को गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए धन की जरूरत है।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि भारत में लॉजिस्टिक लागत दो साल के भीतर नौ प्रतिशत तक कम हो जाएगी। अपने बेबाक विचारों के लिए मशहूर गडकरी ने कहा, ''माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और करों में कटौती की मांग न करें। यह एक सतत प्रक्रिया है जो चल रही है। यदि हम कर कम करते हैं, तो आप और अधिक मांगेंगे, क्योंकि यह मानव स्वभाव है।'' उन्होंने कहा, ''...हम कराधान कम करना चाहते हैं, लेकिन कराधान के बिना सरकार कल्याणकारी योजनाओं को आगे नहीं बढ़ा सकती।''

मंत्री ने कहा कि सरकार का दृष्टिकोण अमीर लोगों से कर लेना और गरीबों को लाभ देना है। ''इसलिए सरकार की भी अपनी सीमाएं हैं।''गडकरी के अनुसार, वर्तमान में भारत की लॉजिस्टिक लागत 14 से 16 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि दो साल के भीतर...हमारी लॉजिस्टिक लागत नौ प्रतिशत हो जाएगी। इससे हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे।'' मंत्री ने कहा कि चीन में लॉजिस्टिक लागत आठ प्रतिशत है और अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में यह 12 प्रतिशत है। गडकरी ने यह भी कहा कि भारतीय उद्योग जगत को गुणवत्ता से समझौता किए बिना उत्पादन की लागत कम करने की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि पूंजी निवेश बढ़ाकर भारत अधिक रोजगार सृजित करने जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आप केवल धन सृजनकर्ता ही नहीं हैं, बल्कि रोजगार सृजनकर्ता भी हैं...हमें इस स्वर्णिम युग का लाभ उठाने की जरूरत है।'' इसके अलावा गडकरी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आयात कम करने और निर्यात बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में विमानों की संख्या 100 पर पहुंची

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में एक और बोइंग 737-8 विमान शामिल होने के साथ ही इसके विमानों की संख्या बढ़कर अब 100 हो गई है। एयरलाइन के इस नए विमान ने बेंगलूरु-हिंडन हवाई मार्ग पर अपनी पहली उड़ान संचालित की।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बयान में कहा कि वह इस महीने के अंत तक भारत, प. एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया में 54 गंतव्यों के तेजी से बढ़ते नेटवर्क पर 500 से अधिक दैनिक उड़ानें संचालित करने लगेगी। जनवरी, 2022 में 26 बोइंग 737 एनजी और 28 ए320 विमानों के बेड़े वाली एयरलाइन ने अपने बेड़े को दोगुना करके 100 विमानों तक पहुंचाया है। कर्नाटक की पारंपरिक भित्ति चित्रकला से प्रेरित 'चित्तरा' से सजे 100वें विमान को एयरलाइन के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हरी झंडी दिखाई। सिंह ने कहा, ''टाटा समूह के हाथों में आने के 3 साल में हमने कम लागत वाली एयरलाइन का एकीकरण व विलय किया और एक आधुनिक और ईंधन-कुशल बेड़े के साथ तेजी से विस्तार किया है।''

कठुआ की हत्याओं को राजनीतिक रंग देने की चेष्टा : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

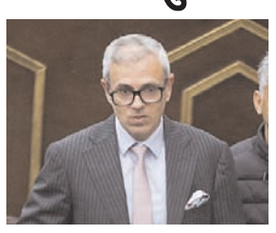

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कठुआ में हाल में पांच नागरिकों की रहस्यमयी मौत पर विधानसभा में चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को दावा किया कि इसे (इन मौतों को) ''राजनीतिक रंग'' देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने विपक्ष के नेता को शोक संतप्त परिवारों से मिलने की अनुमति देने लेकिन उपमुख्यमंत्री को ऐसा करने से रोकने को लेकर पुलिस पर सवाल उठाया।

अब्दुल्ला ने बानी के निर्दलीय विधायक रामेश्वर सिंह पर हमला करने वालों के खिलाफ भी उचित कार्रवाई की मांग की। सिंह कठुआ के बिलावर तहसील स्थित एक अस्पताल में उन तीन लोगों के परिजनों से मिलने गए थे जिनके शव शनिवार को एक सुदूर क्षेत्र में एक झरने से बरामद किए गए थे। ये तीनों उससे तीन दिन पहले एक विवाह समारोह से लापता हो गए थे।

विधानसभा में सोमवार को विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सदस्यों ने कठुआ में नागरिकों की हत्या समेत विभिन्न मुद्दे उठाए। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक एम वाई तारिगामी ने मुख्यमंत्री से हत्याओं पर सदन की चिंता व्यक्त करने को कहा।

गुजरात में संदिग्ध नरबलिः एक व्यक्ति ने बच्ची की हत्या, उसका खून मंदिर में चढ़ाया

बोडेली (गुजरात)/भाषा। गुजरात के छोटा उदयपुर जिले में नरबलि के एक संदिग्ध मामले में सोमवार को एक व्यक्ति ने पांच साल की बच्ची की कथित रूप से गला रेतकर हत्या कर दी और खून मंदिर की सीढ़ियों पर चढ़ाया। सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) गौरव अग्रवाल ने बताया कि उदयपुर जिले के पनेज गांव में लाला ताड़वी ने बच्ची को उसकी मां की मौजूदगी में उसके घर से अगवा कर लिया। ताड़वी बच्ची को घर ले गया और कुल्हाड़ी से उसके गले पर वार किया। आरोपी ने लड़की की गर्दन से बहते खून को इकट्ठा किया और उसमें से कुछ खून घर में स्थित मंदिर की सीढ़ियों पर चढ़ा दिया, जबकि उसकी मां और कुछ अन्य गांववाले यह देख स्तब्ध थे लेकिन वे कुछ नहीं कर पाये क्योंकि आरोपी के हाथ में कुल्हाड़ी थी।''

मुसलमानों में साक्षरता दर में वृद्धि हुई : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को बताया कि मुसलमानों में साक्षरता दर में वृद्धि हुई है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि वर्ष 2001 में हुई जनगणना के अनुसार, सात वर्ष और उससे अधिक आयु के मुसलमानों के बीच साक्षरता दर 59.1 प्रतिशत थी, जबकि एक ही आयु-समूह के लिए अखिल भारतीय साक्षरता दर 64.8 फीसदी थी। उन्होंने बताया कि 2011 की जनगणना के अनुसार, सात वर्ष और उससे अधिक आयु के मुसलमानों में साक्षरता दर 68.5 प्रतिशत थी जबकि इसी आयु वर्ग में अखिल भारतीय साक्षरता दर 73 फीसदी थी। रीजीजू ने कहा ''इस प्रकार, वर्ष 2001 में हुई जनगणना की तुलना में वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़े बताते हैं कि मुसलमानों के बीच साक्षरता दर में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।''

अनावश्यक विधेयक लाने के बजाय जरूरी विधेयक लाए सरकार : सौगत रॉय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने सोमवार को लोकसभा में पारित किये गए वहन-पत्र विधेयक, 2024 को अनावश्यक करार देते हुए कहा कि सरकार को महत्वपूर्ण विधेयक ही लाने चाहिए।

लोकसभा में वहन-पत्र विधेयक, 2024 पर चर्चा में भाग लेते हुए रॉय ने कहा कि यह विधेयक जरूरी नहीं है और इसके उद्देश्य और इसे लाये जाने के कारणों में भी कहा गया है कि पुराने कानून के महत्वपूर्ण प्रावधान बरकरार रहेंगे।

रॉय ने पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय से संबंधित विधेयक के संदर्भ में कहा, ''मुझे लगता है कि मंत्रालय के पास कोई काम नहीं है, इसलिए अनावश्यक विधेयक लाया गया। 1856 के कानून में कुछ खास परिवर्तन नहीं किया गया है। आपने उस विधेयक में केवल साल बदला है, प्रावधानों में खास बदलाव नहीं किया है।''

तृणमूल कांग्रेस सांसद ने कहा कि मंत्री को छोटे-छोटे बदलाव वाले विधेयकों की जगह महत्वपूर्ण विधेयक सदन में लाने चाहिए। उन्होंने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि पिछले 50 साल में जहाजरानी उद्योग बहुत तेजी से बदला है। उन्होंने कहा कि हमारी समुद्री तटरेखा चीन से बड़ी है, लेकिन उसके पास शंघाई जैसा विशाल बंदरगाह है और उसकी अर्थव्यवस्था हमसे बड़ी है।

रॉय ने कहा, ''हमें पोत परिवहन उद्योग को, पोत विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा देना चाहिए।''

विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हनुमान बेनीवाल ने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि अनावश्यक कानूनों को खत्म किया जाएगा लेकिन एक के बाद एक विधेयक लाया जा रहा है, जिनका कोई औचित्य नहीं है।

समाजवादी पार्टी के अरविंद भदौरिया ने कहा कि विधेयक में कई प्रावधान ऐसे हैं जिसमें विशेष रूप से छोटे व्यापारी प्रभावित होंगे।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के राजाराम सिंह ने आरोप लगाया कि इस विधेयक के माध्यम से निजीकरण का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि विधेयक के कानून का रूप लेने के बाद अंतरराष्ट्रीय विवादों से मुक्ति मिलेगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल दुर्घटनाओं को लेकर राजनीति नहीं करने की दी नसीहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कुंभ के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ जैसी रेल दुर्घटनाओं को लेकर राजनीति नहीं करने की नसीहत देते हुए कहा कि उनके मंत्रालय ने इस घटना से सीख लेते हुए तमाम उपाय किए हैं जिनमें देश के प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र बनाना शामिल है।

वैष्णव ने उच्च सदन में रेलवे (संशोधन) विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। रेल मंत्री के जवाब के बाद सदन ने विपक्षी सदस्यों के संशोधन प्रस्तावों को खारिज कर और सरकार श्रेरा लाये गये प्रस्तावों को स्वीकार करते हुए इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इससे पहले चर्चा का जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि इस विधेयक से संसद के अधिकार तनिक भी कम नहीं होंगे। रेल मंत्री ने महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर राजद के मनोज कुमार झा श्रेरा लगाये गये आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उस समय सीसीटीवी कैमरे बंद नहीं किए गए थे। सीसीटीवी की फुटेज उनके पास है। वैष्णव ने कहा कि इस मामले की जांच चल रही है, इसलिए वह इस बारे में अधिक नहीं बोलना चाहेंगे किंतु किसी को इसे लेकर राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रमुख 60 स्टेशनों पर प्रतीक्षा क्षेत्र (होल्डिंग एरिया) बनाने का निर्णय किया गया। नई दिल्ली, गाजियाबाद, वाराणसी, अयोध्या सहित कुछ स्टेशनों पर इसकी प्रायोगिक परियोजना शुरू कर दी गयी है। वैष्णव ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना बहुत ही दुखद थी।

स्टालिन ने प्रधान को 'अहंकारी' बताया कहा अपनी जुबान संभालें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर सोमवार को तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह खुद को राजा समझते हुए 'अहंकार' से बात करते हैं। उन्होंने प्रधान से अपनी जुबान पर नियंत्रण रखने को भी कहा। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी लोकसभा में पीएम श्री योजना और दक्षिणी राज्य को धन आवंटन को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसदों और प्रधान के बीच हुई बहस के बाद आई है। प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने से इनकार करने और 'राजनीति' के लिए इस मुद्दे पर 'यू-टर्न' लेने के लिए तमिलनाडु सरकार की आलोचना की थी।

स्टालिन ने स्पष्ट रूप से कहा कि तमिलनाडु सरकार केंद्र की 'पीएम श्री' योजना को लागू करने के लिए आगे नहीं बढ़ी है और जब ऐसा है तो कोई भी उन्हें इसके लिए राजी नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर केंद्रीय मंत्री को जवाब देते हुए पोस्ट किया, आप केवल यह बताइए कि क्या आप वह कोष जारी कर सकते हैं या नहीं, जो हमसे एकत्र किया गया था और जो तमिलनाडु के विद्यार्थियों के लिए है।

प्रधान ने स्टालिन को पत्र लिखकर तमिलनाडु द्वारा नई शिक्षा नीति, तीन भाषा नीति और पीएम श्री को लेकर हुए समझौता ज्ञापन को अस्वीकार करने की बात रेखांकित की थी। इसका संदर्भ देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार लोगों के विचारों का सम्मान करते हुए काम करती है, जबकि भाजपा नेता नागपुर से आए ''आदेश'' से बंधे रहते हैं।

उन्होंने द्रमुक सांसदों को निशाना बनाने के लिए एक शब्द विशेष के इस्तेमाल को लेकर प्रधान की आलोचना की और कहा कि केंद्रीय मंत्री ने धनराशि जारी न करके तमिलनाडु को धोखा दिया है।

स्टालिन ने सवाल किया, ''आप तमिलनाडु के लोगों का अपमान कर रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे स्वीकार करते हैं?'' प्रधान ने उस शब्द को वापस ले लिया जिस पर द्रमुक सांसदों ने आपत्ति जताई थी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने निर्देश दिया कि इसे रिकार्ड से हटा दिया जाए। इस बीच, द्रमुक पदाधिकारियों ने प्रधान की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की निंदा करते हुए पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किया और केंद्रीय मंत्री के पुतले फूंके।

तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोई ने प्रधान की टिप्पणी की कड़ी निंदा की और इसे अपमानजनक बताया। इससे पहले, दिन में, द्रमुक सदस्यों द्वारा प्रधान की इस टिप्पणी पर विरोध जताए जाने के बाद लोकसभा की कार्यवाही लगभग 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई थी। प्रधान ने तमिलनाडु सरकार पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम एसएचआरआई) योजना के कार्यान्वयन के मुद्दे को लेकर कथित आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया था।

नई दिल्ली में द्रमुक सांसद कनिमोई ने प्रधान की टिप्पणी की निंदा की और कहा कि केंद्रीय मंत्री का यह दावा कि मुख्यमंत्री स्टालिन अपनी बात से मुकर गए हैं, झूठ है और इसका उद्देश्य ध्यान भटकाना है। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु के सांसदों ने प्रधान को कभी नहीं कहा कि राज्य एनईपी, 3-भाषा नीति को स्वीकार करने के लिए तैयार है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि द्रमुक सांसद सोचते हैं कि वे हमेशा अर्धसत्य और असत्य फैलाकर भाग सकते हैं और उन्हें उम्मीद नहीं थी कि प्रधान संसद में उनका पर्दाफाश करेंगे।

अन्नामलाई ने सवाल किया, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कहते हैं कि उनके निर्णय जनता की राय का प्रतिबिंब हैं। क्या आपको लगता है कि निजी सीबीएसई/मैट्रिकुलेशन स्कूल चलाने वाले आपके बेटे, बेटी, दामाद और द्रमुक नेताओं और उनके रिश्तेदारों के विचारों को जनता के विचार माना जाना चाहिए। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये सवाल किया, वह सुपर मुख्यमंत्री कौन है, जिसके आग्रह पर तमिलनाडु सरकार पीएम श्री स्कूलों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से पीछे हट गई, जबकि पहले उसने इसे स्वीकार कर लिया था।

प्रधान ने एनईपी पर द्रमुक को घेरा, स्टालिन की पार्टी ने किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और तीन भाषाओं की नीति को लेकर लोकसभा में सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के बीच तीखा आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिला। प्रधान ने द्रमुक पर तमिलनाडु के छात्रों के भविष्य को बर्बाद करने तथा एनईपी पर अपने रुख से पलटने का आरोप लगाया, वहीं राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा कि उसे नई शिक्षा नीति और तीन भाषाओं का फार्मूला मंजूर नहीं है। प्रधान ने लोकसभा में द्रमुक सदस्यों के विरोध के बीच, अपने वक्तव्य से एक शब्द वापस ले लिया और आसन ने भी इस शब्द को सदन की कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया।

प्रधान ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जिनके पास ठोस तथ्य नहीं हैं वे केवल दूसरों को गुमराह करने के लिए हंगामा खड़ा करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि द्रमुक नीत तमिलनाडु सरकार को छात्रों के हित के लिए राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। इस मुद्दे पर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी अहंकार को दर्शाती है। उन्होंने कहा, आप तमिलनाडु के लोगों का अपमान कर रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे स्वीकार करते हैं?

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही सोमवार को शुरू हुई और लोकसभा में प्रश्नकाल सामान्य तरीके से आरंभ हुआ, लेकिन पीएम श्री (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) योजना को लेकर द्रमुक सांसद टी सुमति के पूरक प्रश्न पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के जवाब के बाद द्रमुक सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। सुमति ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को स्वीकार नहीं करने के कारण तमिलनाडु को पीएमश्री योजना के तहत आवंटित किए जाने वाले 2,000 करोड़ रुपये की केंद्रीय राशि अन्य राज्यों को हस्तांतरित कर दी गई है।

उन्होंने कहा, ''मैं (शिक्षा) मंत्री से पूछना चाहती हूं कि क्या स्कूली छात्रों की शिक्षा के लिए धन आवंटन को राज्य के खिलाफ बदला लेने के औजार के तौर पर इस्तेमाल किया जाना चाहिए?'' सुमति ने कहा, ''मैं केंद्र सरकार से पूछना चाहती हूं कि क्या वह संसद को आश्वासन देगी कि कानून के तहत जिस नीति को लागू नहीं किया जा सकता, उसे स्वीकार नहीं करने के लिए किसी भी राज्य को धन की कटौती का सामना नहीं करना पड़ेगा?''

पूरक प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, एक समय था जब तमिलनाडु सरकार केंद्र सरकार के साथ (एनईपी पर) एमओयू पर हस्ताक्षर करने को तैयार थी। तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री के साथ कुछ सदस्य हमारे पास आए थे और उन्होंने सहमति व्यक्त की थी।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और पंजाब जैसे गैर-भाजपा शासित राज्य भी पीएमश्री योजना को अपना रहे हैं।

प्रधान ने कहा, ''हम तमिलनाडु को वित्तीय आवंटन कर रहे हैं, लेकिन वे प्रतिबद्ध नहीं हैं। वे (द्रमुक) तमिलनाडु के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। वे जानबूझकर राजनीति कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वे छात्रों के साथ अन्याय कर रहे हैं और अलोकतांत्रिक तरीके से व्यवहार कर रहे हैं।'' उन्होंने द्रमुक पर तमिलनाडु के छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों को रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार सबके लिए काम कर रही है।

प्रधान ने कहा, ''मुझे ऐसी जानकारी है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एनईपी को स्वीकार करना चाहते हैं, लेकिन कुछ लोग उन्हें रोक रहे हैं जो भविष्य में मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री (स्टालिन) छात्रों के प्रति ईमानदार नहीं हैं।'' पीएमश्री योजना के तहत एनईपी 2020 के सिद्धांतों के अनुरूप देश में आदर्श विद्यालय स्थापित किए जाने हैं। मंत्री के जवाब के बीच ही द्रमुक के सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित हुई।

कोयम्बटूर में केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला जलाया, विरोध प्रदर्शन में 'हिन्दी मुर्दाबाद' के नारे लगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के गांधीपुरम् बस स्टैंड के निकट द्रमुक पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में दिए गए विवादास्पद बयान के बाद विरोध में उनका पुतला जलाया।

कोयम्बटूर द्रमुक जिला सचिव और पूर्व विधायक कार्थिक के नेतृत्व में केन्द्र द्वारा जारी की जाने वाली शिक्षा नीति का विरोध किया गया। केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला फूंका गया और हिन्दी मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के अन्नामलाई के विरोध में भी नारे बाजी की।

द्रमुक सदस्यों के हंगामे के बाद प्रधान ने अपने बयान से एक शब्द वापस लिया

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में द्रमुक सदस्यों के विरोध के बाद अपने वक्तव्य से एक शब्द वापस ले लिया और आसन ने भी इस शब्द को सदन की कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। सदन में प्रश्नकाल के दौरान प्रधान ने द्रमुक सांसद टी सुमति के पूरक प्रश्न के उत्तर में एक टिप्पणी की थी। सुमति ने आरोप लगाया था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को स्वीकार नहीं करने के कारण तमिलनाडु को पीएमश्री योजना के तहत आवंटित किए जाने वाले 2,000 करोड़ रुपये की केंद्रीय राशि अन्य राज्यों को हस्तांतरित कर दी गई है। इसके जवाब में शिक्षा मंत्री प्रधान ने द्रमुक पर तमिलनाडु में छात्रों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया।

मंत्री के बयान को लेकर द्रमुक सदस्यों ने विरोध किया और हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न करीब 11.30 बजे दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही 12 बजे पुन: शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने द्रमुक सदस्य कनिमोझि को अपनी बात रखने के लिए कहा। कनिमोझि ने कहा कि वह दुखी हैं कि केंद्रीय मंत्री ने तमिलनाडु के सांसदों, वहां की सरकार और राज्य के लोगों के बारे में इस तरह के शब्द का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि तीन भाषाओं की नीति तमिलनाडु को स्वीकार्य नहीं है।

प्रधान ने कहा, मेरी प्रिय बहन ने जो कहा है, उसके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि अगर मेरे शब्द से कोई आहत हुआ है तो मैं इस शब्द को वापस लेता हूं।'' इसके बाद बिरला ने कहा, मैंने इस शब्द को रिकॉर्ड से निकाल दिया है।'' बाद में द्रमुक सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया। सदन में टोका-टोकी के बीच ही द्रमुक सांसद दयानिधि ने कुछ टिप्पणी की, जिस पर बिरला ने आपत्ति जताई और कहा कि यदि आप सदन में बोलते हुए ऐसी टिप्पणी करते हैं तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, संसद की मर्यादा से सदन से चलेगा। अगर सरकार (विपक्षी सदस्य की टिप्पणी के खिलाफ) प्रस्ताव नहीं लाना चाहती तो मुझे कार्रवाई करनी होगी।

चुनाव जीतने के लिए एनईपी, परिसीमन का विरोध कर रही द्रमुक : निशिकांत दुबे

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर चुनाव जीतने के लिए भावनाएं भड़काने का आरोप लगाते हुए सोमवार को दावा किया कि विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध करने के साथ देश की अन्य भाषाओं का भी विरोध कर रही है। दुबे ने लोकसभा में शून्यकाल में कहा, द्रमुक पार्टी केवल भावना भड़काने का काम कर रही है। तमिल पुरानी भाषा है, लेकिन संस्कृत उससे भी पुरानी भाषा है। देश के किसी भी मंदिर में चले जाएं, तमिल, तेलुगु, कन्नड किसी भी भाषा वाले क्षेत्र में चले जाएं, सभी मंदिरों में आज भी पूजा संस्कृत में ही होती है।

द्रमुक द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और केंद्र की त्रिभाषा नीति का विरोध किए जाने की पृष्ठभूमि में भाजपा सांसद ने कहा, ''ये (द्रमुक) चुनाव हारने के डर से एनईपी का और परिसीमन का विरोध कर रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि 1973 में कांग्रेस ने मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में सीटें बढ़ाईं, लेकिन तमिलनाडु में सीटें नहीं बढ़ाई, उसके बावजूद उसके साथ द्रमुक सरकार चला रही है। दुबे ने कहा कि द्रमुक राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध कर रही है और तेलुगु, मैथिली, संथाली, कन्नड समेत अन्य क्षेत्रीय भाषाओं का विरोध कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, यह पार्टी देश के तानेबाने को तोड़ना चाहती है और अंग्रेजी को लागू करना चाहती है। यह केवल चुनाव जीतने के लिए भावना भड़का रही है।

शिवगंगा : सीआईएसएफ का 56वां स्थापना दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवगंगा। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) का 56वां स्थापना दिवस यहां 4 रिजर्व बटालियन में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अलगप्पा विश्वविद्यालय, अड्यार के कुलपति डॉ. जी रवि थे। वरिष्ठ कमांडेंट शंकर कुमार झा ने सबका स्वागत किया। उन्होंने सीआईएसएफ के एक बहुआयामी बल के रूप में विकसित होने तथा प्रमुख औद्योगिक, आर्थिक और रणनीतिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के बारे में बताया। इस अवसर पर सीआईएसएफ कर्मियों ने परेड प्रस्तुत की, जिसका निरीक्षण डॉ. जी. रवि ने किया। उन्होंने बल के अनुशासन और समर्पण की तारीफ की और महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भूमिका को स्वीकार किया। डॉ. रवि ने आर्थिक विकास में सीआईएसएफ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि बल न केवल महत्त्वपूर्ण उद्योगों की रक्षा करता है, बल्कि विमानन, मेट्रो नेटवर्क, अंतरिक्ष अनुसंधान और आपदा प्रबंधन जैसे प्रमुख क्षेत्रों के संचालन को भी सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम का समापन डीसी विकास सिंह के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए आईआईटी मद्रास में दो अतिरिक्त सीट होंगी

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए प्रत्येक स्नातक पाठ्यक्रम में दो अतिरिक्त सीट का सृजन करेगा। संस्थान के निदेशक वी.कामकोटि ने सोमवार को यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि ये सीट 2025-26 शैक्षणिक सत्र से उपलब्ध कराई जाएंगी और इनमें से एक सीट विशेष रूप से लड़कियों के लिए होगी। ओलंपियाड प्रतियोगी परीक्षाएं हैं।

कामकोटि के मुताबिक, 'विज्ञान ओलंपियाड उत्कृष्टता' (एससीओपीई) नामक इस श्रेणी के तहत प्रवेश जेईई (एडवांस्ड) ढांचे के बाहर होगा और विद्यार्थियों को शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 से प्रवेश दिया जाएगा।

उन्होंने बताया, खेल उत्कृष्टता प्रवेश और ललित कला एवं संस्कृति उत्कृष्टता के आधार पर प्रवेश के समान, एससीओपीई में भी प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए दो अतिरिक्त सीटें होंगी, जिनमें से एक सीट विशेष रूप से छात्राओं के लिए होगी।

कामकोटि ने कहा, पात्रता मानदंड जैसे कि कक्षा 12 उत्तीर्ण होना और आयु, अन्य मानदंडों के साथ-साथ संबंधित वर्ष के लिए जेईई (एडवांस्ड) के समान ही हैं। अभ्यार्थी को पिछले वर्षों में किसी आईआईटी में प्रवेश नहीं मिला होना चाहिए। पहले बैच के लिए आवेदन करने की शुरुआत तीन जून 2025 को होगी।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने विशेष सुविधाओं के साथ अल्ट्रा एचएनआई बचत योजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां स्थित इण्डियन ओवरसीज़ बैंक (आइओबी) ने विशेष रूप से हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनआई) के लिए डिज़ाइन की गई एक विशेष अल्ट्रा एचएनआई बचत बैंक (एसबी) योजना शुरू की है । यह प्रीमियम बैंकिंग पहल तीन अलग-अलग वैरिएंट प्रदान करती है, जैसे आइओबी एसबी प्राइम, आइओबी एसबी प्रियोरिटी और आइओबी एसबी प्रिवेलेज, जिनमें से प्रत्येक में समृद्ध ग्राहकों की वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विशेष लाभ शामिल हैं। लॉन्च के अवसर पर इण्डियन ओवरसीज़ बैंक के एमडी व सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा, अल्ट्रा एचएनआई बचत योजना हमारे सम्मानित उच्च-निवल-मालियत वाले ग्राहकों को विश्व स्तरीय बैंकिंग समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। भारत में बढ़ते एचएनआई आधार के साथ, हम वैयक्तिक वित्तीय सेवाओं, प्रीमियम लाभों और निर्बाध बैंकिंग अनुभवों की आवश्यकता को चिन्हित करते हैं । यह नई योजना हमारे मूल्यवान ग्राहकों के लिए सुविधा, सुरक्षा और बेहतर वित्तीय लाभ सुनिश्चित करते हुए विशेष सुविधाओं का एक समूह प्रदान करती है।इन प्रीमियम सुविधाओं के साथ, आइओबी की अल्ट्रा एचएनआई बचत योजना विशिष्ट बैंकिंग अनुभवों को पुनः परिभाषित करने के लिए तैयार है, जो भारत के विशिष्ट बैंकिंग क्षेत्र को अद्वितीय सुविधा और वित्तीय लाभ प्रदान करेगी।

पुडुचेरी में फ्रांसीसी विकास एजेंसी समर्थित जलापूर्ति परियोजना का काम जारी है : उपराज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने सोमवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में पानी की उपलब्धता बढ़ाने के मकसद से सरकार द्वारा फ्रांसीसी विकास एजेंसी की सहायता से 534 करोड़ रुपये की जलापूर्ति परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। बजट सत्र के पहले दिन तमिल में अपना पारंपरिक संबोधन प्रस्तुत करने वाले कैलाशनाथन ने कहा, पांच प्रमुख झीलों ''ओसुडु, बाहूर, अबीशेगापक्कम, कोरकाडु और वधानूर'' से पानी निकालने का प्रस्ताव है, साथ ही यहां संकरपरानी नदी के पास और शहरी क्षेत्रों में 40 अतिरिक्त ट्यूबवेल लगाकर गहराई पर भूजल का उपयोग किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के लिए एकीकृत शहरी जीवन-यापन परियोजना के लिए 4,750 करोड़ रुपये की मांग करते हुए केंद्र को एक प्रस्ताव सौंपा गया है। इस पहल में प्रतिदिन पांच करोड़ लीटर क्षमता वाले दो विलवणीकरण संयंत्रों का निर्माण, सतही जल स्रोतों में सुधार और पुडुचेरी के सभी चार क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ बेहतर सड़क संपर्क के साथ-साथ जलापूर्ति प्रणालियों, सीवरेज और जल निकासी सुविधाओं का उन्नयन शामिल है। उपराज्यपाल ने कहा कि आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने हाल ही में जलापूर्ति, सीवरेज और जल निकासी घटकों के लिए 3,290 करोड़ रुपये के प्रस्ताव की सिफारिश की थी और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने भी वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग को सड़क घटकों के लिए प्रस्ताव की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा कि हमारे राजस्व संसाधनों को बढ़ाने के स्रोत और अवसर बहुत सीमित होने के बावजूद, केंद्र शासित प्रदेश की अपनी राजस्व प्राप्तियां 2020-2021 में 8,418 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-2024 में 11,311.92 करोड़ रुपये हो गई हैं, जो सरकार द्वारा अपनाए गए अभिनव उपायों के कारण 34.36 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाती है।

उपराज्यपाल ने पुडुचेरी को व्यापार, शिक्षा, आध्यात्मिक और पर्यटन क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ या प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मंत्र 'बेस्ट पुडुचेरी' के अनुरूप बनाने के लिए क्षेत्रीय सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

स्वामी पुष्करिणी तेप्पा तिरुनल्लू में विहार करती उत्सवमूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुमला। तिरुमला की पवित्र मंदिर तालाब स्वामी पुष्करिणी सलकतला तेप्पोत्सवम की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। 9 मार्च से 13 मार्च तक यह उत्सव होगा। हर रात 7 से 8 बजे के बीच उत्सव मूर्तियों को सुन्दर ढंग से सजे हुए नौका रथ (तेप्पा) पर पवित्र जल में विहार करती हैं और भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करती हैं। यह तेप्पोत्सवम हर वर्ष फाल्गुन मास में शुद्ध एकादशी से प्रारंभ होकर पवित्र फाल्गुन पूर्णिमा के दिन संपन्न होता है। इस नौका उत्सव के लिए विद्युत साज-सज्जा और फूलों की भव्य सजावट की जा रही है। इसके अलावा, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, और तैराकों को भी तैयार रखा गया है।

'तेप्पा' का अर्थ छोटी नाव होता है। तेप्पोत्सवम एक उत्सव है जिसमें उत्सव मूर्ति को मंदिर के पवित्र सरोवर में नौका विहार कराया जाता है। यह उत्सव फाल्गुन माह में वर्ष में एक बार मनाया जाता है।

तमिल में इसे थिरुपल्ली ओडई थिरुनाल और तेलुगु में तेप्पा तिरुनल्लू कहा जाता है। तेप्पोत्सवम के कारण टीटीडी (तिरुमला तिरुपति देवस्थानम) ने 11, 12 और 13 मार्च 'अर्जिता ब्रह्मोत्सवम और सहस्रदीपलंकार सेवा' को रद्द कर दिया है।

गाय की महिमा को समझते हुए प्रतिदिन करें गौसेवा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ ही गौमाता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है और हाल में पेश किए गए राज्य बजट में गौमाता और पशुपालकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर गौशालाओं की अनुदान राशि बढ़ाने पर आयोजित आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में संचालित गौशालाओं तथा नंदीशालाओं के लिए प्रति पशु अनुदान राशि को इस वर्ष 15 प्रतिशत बढ़ाकर 50 रूपये प्रतिदिन करने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले साल गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ की थी, जिसमें गौवंश हेतु शेड, खेली निर्माण तथा दुग्ध, चारा, बांटा संबंधी उपकरण खरीदने के लिए एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अब हम आगामी वित्त वर्ष में भी ढाई लाख गोपालक परिवारों को इस योजना का लाभ मुहैया कराएंगे। शर्मा ने कहा कि गोपालकों को और अधिक राहत देते हुए गोपाल क्रेडिट कार्ड के लिए जरूरी सभी दस्तावेजों पर स्टांप ड्यूटी माफ करने और योजना के प्रावधानों को सरल बनाने का भी बजट में प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास भी हो रहा है और देश की विरासत भी समृद्ध होती जा रही है। वे देश-दुनिया के करोड़ों लोगों के महानायक हैं, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय, योजनाबद्ध कार्य और दूरदृष्टि से देश और दुनिया को एक नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान का प्रवासी देश-दुनिया में अपनी मिट्टी से जुड़ा हुआ है तथा प्रवासियों ने हर जगह गौशालाएं बनायी है जिससे गौसेवा के पुण्य कार्यों को बढ़ावा दिया जा सके।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन गौ-संरक्षण के लिए दूरदर्शी सोच के साथ काम कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए शुरू की गई 'मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना' के दायरे को बढ़ाते हुए आगामी वित्त वर्ष में प्रत्येक श्रेणी में बीमित पशुओं की संख्या दोगुनी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना के तहत औषधियों एवं टीकों की संख्या में वृद्धि, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत दुग्ध संग्रहण के लक्ष्य को बढ़ाना, सर्दियों में गौशालाओं को आवश्यकता अनुसार अनुदान के स्थान पर बाजरा का विकल्प, एक हजार नवीन सहकारी समितियों अथवा संग्रह केंद्रों की स्थापना, 100 पशु चिकित्सा अधिकारियों एवं एक हजार पशुधन निरीक्षकों की भर्ती सहित विभिन्न कार्य गौसेवा के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में गाय की महिमा अपरंपार है। हमारे शास्त्रों में गंगा, गोमती, गीता और गोविंद की भांति गाय भी अत्यंत पवित्र मानी गई है और गौ-माता की सेवा से सभी देवी-देवताओं के पूजन का फल मिल जाता है। उन्होंने कहा कि संत-महन्त हमारी संस्कृति के वाहक है तथा हजारों वर्षों से हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने में इनका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि समाज का दायित्व है कि गौमाता के सम्मान और संरक्षण के लिए अपनी भूमिका निभाएं तथा एक जन-जागरण अभियान चलाकर आमजन को प्रतिदिन गायों की सेवा करने के लिए प्रेरित करें।

इस दौरान आए संतों ने मुख्यमंत्री द्वारा गौ-संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यो के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री ने गौसेवा का एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री द्वारा पिछले दोनों बजटों में गौसेवा के लिए विभिन्न प्रावधान किए गए हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने गौ-पूजा की तथा पाण्डाल में आए संत-महन्तों से आशीर्वाद लिया। संतों ने मुख्यमंत्री को दुपट्टा ओढ़ाकर बजट में गौसेवा के लिए की गई घोषणाओं पर आभार जताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उल्लासपूर्वक फाल्गुन के महीने में सभी के साथ फूलों की होली खेली, चंग बजाकर होली के गीत गाएं तथा सभी को होली की बधाइयां दी।

होली पर बादल छाए रहने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एक नये पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में होली के आसपास बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम केंद्र के मुताबिक, राजस्थान में 13 से 15 मार्च तक एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आंशिक रूप से बादल छाए रहने और उत्तर-पश्चिम व उत्तरी हिस्से में कहीं-कहीं हल्की बारिश/बूंदाबांदी होने की संभावना है। इस साल होली 13 मार्च और धुलंडी 14 मार्च को है। मौसम केंद्र के अनुसार, 14 मार्च को बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में दोपहर बाद बादल गरजने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र ने बताया कि राज्य में इस समय अधिकतम तापमान सामान्य से दो से पांच डिग्री सेल्सियस ऊपर बना हुआ है और अगले 48 घंटे में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। उसने बताया कि 10-11 मार्च को बाड़मेर और आसपास के क्षेत्र में अधिकतम तापमान 40 से 41 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से पांच से छह डिग्री सेल्सियस ऊपर) दर्ज किए जाने तथा कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है।

राजस्थान की 3,500 ग्राम पंचायतों में 'ओपन जिम' स्थापित किए जाएंगे : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पांच हजार से अधिक आबादी वाली 3,500 ग्राम पंचायतों में 'ओपन जिम' स्थापित किए जाएंगे। खेल एवं युवा मामलों के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सोमवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को खेल गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राज्य में खेलों से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में प्रावधान किए गए हैं और पांच हजार से अधिक आबादी वाली 3,500 ग्राम पंचायतों में 'ओपन जिम' स्थापित किए जाएंगे। राठौड़ प्रश्नकाल में इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्न का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल एवं युवा मामलों के विभाग व राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा स्टेडियम निर्माण के वास्ते विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने समन्वित स्टेडियम (आधारभूत खेल संरचनाएं) विकास कार्यक्रम-2015 के मापदंड निर्धारित किए हैं। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद स्टेडियम योजना के तहत चरणबद्ध रूप से राज्य के प्रत्येक ब्लॉक में खेल स्टेडियम के विकास कार्य करवाए जाने के लिए विधायक-सांसद निधि, जनप्रतिनिधि, जनसहयोग, सीएसआर, स्थानीय निकाय आदि द्वारा उपलब्ध करवाई गई राशि के बराबर या अधिकतम एक करोड़ रुपये की राशि 'मैचिंग ग्रांट' के रूप मे दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

रबी सीजन में उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली मिल रही : मंत्री हीरालाल नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य में खेती के रबी सीजन में उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली दी जा रही है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि बिजली की अनुपलब्धता की वजह से कहीं भी कटौती नहीं की जाएगी। नागर प्रश्नकाल के दौरान विधायक शांति धारीवाल की ओर से इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों पर जवाब दे रहे थे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली की दैनिक मांग और राज्य को समस्त स्रोतों से उपलब्ध बिजली के बाद जो कमी रहती है, उसकी पूर्ति 'पावर एक्सचेंज' तथा लघु अवधि निविदा के माध्यम से बिजली खरीदकर की जाती है। नागर ने सदन को बताया कि लघु अवधि निविदा के माध्यम से पिछले वर्ष नवंबर और दिसंबर के साथ ही इस साल जनवरी, फरवरी तथा मार्च में 'ब्लॉक ऑवर' के आधार पर बिजली खरीदी गई।

मंत्री ने कहा कि राजस्थान की थर्मल इकाइयों से होने वाले उत्पादन, निजी उत्पादकों से मिलने वाली बिजली तथा बिजली खरीद समझौतों से होने वाली खरीद सहित समस्त स्रोतों को मिलाकर राज्य का विद्युत उत्पादन 10,000 मेगावाट से कहीं अधिक है, जबकि 'पीक ऑवर' मांग 19,165 मेगावाट रही है। इससे पहले मूल प्रश्न के जवाब में नागर ने बताया कि राज्य में वित्त वर्ष 2024-25 में 28 फरवरी 2025 तक बिजली कंपनियों (डिस्कॉम) की औसत मांग 14,331 मेगावाट और अधिकतम मांग 19,165 मेगावाट रही है।

उन्होंने बताया कि मांग और आपूर्ति में अंतर रहने पर शेष मांग की पूर्ति 'पावर एक्सचेंज' व लघु अवधि निविदा से बिजली खरीदकर की जाती है।

बूंदी के ढाबे में कर्मचारियों ने युवक की पीट-पीटकर हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। बूंदी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 के किनारे स्थित एक ढाबे में कर्मचारियों ने 23 वर्षीय युवक की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान कोटा जिले के प्रेम नगर इलाके के निवासी नितिन खटीक के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को अभी पकड़ा नहीं जा सका है। बूंदी सदर थाने के निरीक्षक रमेश चंद आर्य के अनुसार, एक निजी फाइनेंस कंपनी में काम करने वाला युवक और उसके तीन दोस्त रविवार देर रात बूंदी के रामगंज बालाजी गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 के किनारे स्थित ढाबे में गए थे।

आर्य ने बताया कि खाने के बिल को लेकर विवाद हो गया और ढाबे में मौजूद सात-आठ कर्मचारियों ने नितिन पर कथित रूप से लाठी और लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को कोटा के महाराव भीम सिंह (एमबीएस) अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

राइजिंग राजस्थान के दौरान माइंस व पेट्रोलियम के एमओयू धरातल पर लाने की कवायद तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। माइंस विभाग ने राइजिंग राजस्थान के दौरान माइंस व पेट्रोलियम के हस्ताक्षरित करारों को धरातल पर लाने की कवायद तेज कर दी है। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने माइंस से संबंधित 100 करोड़ रु. से अधिक के एमओयू के स्टेक होल्डर्स से वर्चुअली संवाद कायम किया। उन्होंने करीब 42 स्टेक होल्डर्स से वन टू वन चर्चा करते हुए एमओयू करारों को धरातल पर लाने की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्टेक होल्डर्स से चर्चा के दौरान एमओयू करारों को तय समय सीमा में पूरा कराने की कार्ययोजना की जानकारी ली और स्टेक होल्डर्स की स्थानीय स्तर से लेकर राज्य स्तर तक आ रही कठिनाइयों के निवारण में संबंधित विभागों से समन्वय व सहयोग का विश्वास दिलाया।

टी. रविकान्त ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के दौरान माइनिंग सेक्टर के किए गए एमओयू में 100 करोड़ रुपए से अधिक के 42 एमओयू है। इनमें एक हजार करोड़ रुपए से अधिक के 20 एमओयू है वही 100 करोड़ रु. से एक हजार करोड़ रु. तक के 22 एमओयू है। स्टेक होल्डर्स से समन्वय बनाये रखने के लिए वाटसएप ग्रुप बनाकर अधिकारियों द्वारा निरंतर संपर्क व मार्गदर्शन दिया जा रहा हैं। स्थानीय स्तर पर आ रही समस्याओं का यथासंभव निराकरण कराते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्रीयल प्रमोशन के रेणुराज ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निवेशकों से समन्वय व सहयोग के लिए इंडस्ट्रीयल इंटरफेस बनाया है। इसके माध्यम से निवेशक आवश्यक जानकारी व प्रगति से रुबरु हो सकते हैं। इस माह के अंत तक एमओयू धारकों के लिए एक एप भी उपलब्ध हो सकेगा।

नोडल अधिकारी अतिरिक्त निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा और सह प्रभारी अधीक्षण भूवैज्ञानिक जयपुर संजय सक्सेना ने राइजिंग राजस्थान के दौरान हुए निवेश करारों की जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड अधिकारियों से समन्वय बनाया जा रहा है। बैठक में ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण भूवैज्ञानिक सचिवालय सुनील वर्मा, उपनिदेशक पेट्रोलियम रोहित मल्लाह, स्टेक होल्डर्स व फील्ड अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

मंत्रिमंडलीय उपसमिति लेगी महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के संचालन का निर्णय : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के संचालन के सम्बन्ध में उचित कार्यवाही कर विद्यार्थियों के हित में निर्णय किया जाएगा। दिलावर प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा मंत्रिमंडलीय उपसमिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा इस विषय पर समीक्षा कर रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि गत सरकार द्वारा केवल नाम के लिए महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोल दिए गए। इन विद्यालयों में न तो शिक्षकों के पद सृजित किये गए और न ही भवनों की समुचित व्यवस्था की गई। जिसके परिणामस्वरूप अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने की इच्छा नहीं रखने वाले कई विद्यार्थी विद्यालय छोड़ने पर मजबूर हो गए। इसके साथ ही कई छात्राएं जो सह शिक्षा के माहौल में सहज नहीं थी, उनके द्वारा भी विद्यालय छोड़ने से नामांकन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

उन्होंने कहा कि गत सरकार के कार्यकाल में विद्यालयों में रिक्त पद न भरे जाने से प्रदेश में शिक्षा की दिशा एवं दशा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। वर्तमान राज्य सरकार द्वारा शिक्षकों के 5 हजार 114 पदों की डीपीसी कर ली गई है एवं शीघ्र ही इन्हें प्रदेश भर में समान अनुपात में नियुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस प्रक्रिया के तहत विधानसभा क्षेत्र फलौदी में भी रिक्त पदों को भर दिया जाएगा।

इससे पहले विधायक पब्बाराम विश्नोई के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में शिक्षा मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र फलौदी में संचालित राजकीय विद्यालयों में संवर्गवार स्वीकृत एवं रिक्त पदों का संख्यात्मक विवरण (माध्यमिक शिक्षा एवं प्रारंभिक शिक्षा) उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने बताया कि विभागीय पदोन्नति समिति, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर से चयनित आशार्थी उपलब्ध होने से रिक्त पदों को प्राथमिकता से भरा जा सकेगा।

राजस्थान विधानसभा में मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष ने किया सदन का बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के तृतीय एवं बजट सत्र में सोमवार को विपक्ष कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में देरी एवं इस संबंध में मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर सदन का बहिर्गमन किया। प्रश्नकाल में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत इस संबंध में पूछे गये प्रश्न के पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कांग्रेस सदस्य उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और सदन से बहिर्गमन कर गए। इससे पहले जूली ने कहा कि सरकार को आये डेढ़ साल हो गए लेकिन अब तक सिर्फ समीक्षा ही कर रहे हैं और जवाब देने के बजाय केवल भाषण दिए जा रहे हैं। इस दोनों पक्षों की ओर से बोलने पर सदन में शोर शराबा और हंगामा हुआ। विधायक रफीक खान ने अनुप्रति योजना में देरी का मुद्दा उठाने पर गहलोत ने इसका जवाब दिया लेकिन खान इससे संतुष्ट नहीं हुए और कहा कि फरवरी तक सभी छात्रों का रजिस्ट्रेशन पूरा होना चाहिए था लेकिन अब तक न तो रजिस्ट्रेशन हुआ और न ही भुगतान।

समारोह

जयपुर में आयोजित हुए 25वें आईफा अवार्ड्स समारोह में भाग लेती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

किसान सम्मान निधि के तहत अनुचित लाभ लेने वाले अपात्र व्यक्तियों से वसूली की कार्यवाही जल्द : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सहकारिता राज्यमंत्री गौतम कुमार दक ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अनुचित लाभ लेने वाले अपात्र व्यक्तियों से शीघ्र वसूली की जाएगी। दक प्रश्नकाल में पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पाली जिले में किसान सम्मान निधि के तहत अनुचित तरीके से राशि हस्तांतरण किये जाने के प्रकरण की जांच के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीलिंग को नियुक्त किया गया है। जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि योजना के प्रारंभ में कृषक द्वारा दिए गए घोषणा पत्र के आधार पर ही लाभ राशि का हस्तांतरण कर दिया जाता था। बाद में भूमि की रिपोर्ट अपलोड करना भी अनिवार्य किया गया। केंद्र सरकार द्वारा भी अपात्र व्यक्तियों से सम्मान निधि की राशि वसूलने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 से 2023 के बीच पाली में अपात्र व्यक्तियों को दिए गए लाभ के प्रकरण संज्ञान में आने के बाद पाली जिला कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार देसूरी, मारवाड़ जंक्शन और रानी में एफआईआर दर्ज करवाई गयी है। इससे पहले विधायक केसाराम चौधरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत कुल 13 हजार 858 अपात्र व्यक्तियों के आवेदन पंजीकृत हैं।

असम देश के सबसे अच्छे राजकोषीय प्रबंधन वाले राज्यों में से एक : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम को देश में सबसे बेहतर वित्तीय प्रबंधन वाले राज्यों में से एक बताते हुए सोमवार को कहा कि यह राष्ट्रीय औसत से अधिक जीएसडीपी वृद्धि के साथ 'शुद्ध योगदानकर्ता' बनने की राह पर है।

शर्मा ने राज्य विधानसभा में बजट पेश होने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य का कुल व्यय चालू वित्त वर्ष में 1.75 लाख करोड़ रुपए को पार कर जाने की उम्मीद है, जो 2015-16 के 41,000 करोड़ रुपए से थोड़े अधिक के व्यय की तुलना में एक बड़ी छलांग है।

असम के वित्त मंत्री अजंता नियोग ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2.63 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया, जिसमें 620.27 करोड़ रुपए का घाटा है। यह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले का आखिरी पूर्ण बजट है।

इस बजट के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसमें असम के लिए भविष्य की रूपरेखा पेश की गई है। कोई नया कर नहीं लगाया गया है, बल्कि कुछ क्षेत्रों को राहत जारी रखी गई है।''

शर्मा ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में असम के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि राष्ट्रीय जीएसडीपी वृद्धि औसत 10 प्रतिशत रही।

उन्होंने कहा कि असम ऋण एवं जीएसडीपी अनुपात के लिहाज से देश में सबसे निचले पायदान वाले राज्यों में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम अब शुद्ध योगदान देने वाला राज्य बन रहे हैं।''

रंगभरनी एकादशी के साथ ब्रज के सभी मंदिरों में होली खेलने का सिलसिला शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में फाल्गुन शुक्ल पक्ष की रंगभरनी एकादशी के मौके पर सोमवार को भक्तजनों के साथ टेसू और केसर मिश्रित गीले रंगों की होली की शुरुआत के साथ ही वृंदावन सहित ब्रज के सभी मंदिरों में गीले रंगों की होली खेलने का सिलसिला शुरू हो गया।

रंगभरनी एकादशी के मौके पर बिहारी जी महाराज ने मंदिर के जगमोहन में श्वेत पोशाक धारण कर, रजत सिंहासन पर विराजमान हो सोने-चांदी से बनी पिचकारी से भक्तों संग होली की शुरुआत कर दी। इस परंपरा के निर्वहन के साथ ही बिहारी जी सहित सभी मंदिरों में रंग वाली होली का आगाज हो गया।

मंदिर के सेवायत आचार्य प्रह्लाद वल्लभ गोस्वामी ने बताया कि रंगभरनी एकादशी पर बिहारी जी के लिए शुद्ध केसर का रंग बनाया जाता है और सेवायत सबसे पहले सोने-चांदी से निर्मित पिचकारी से ठाकुरजी के ऊपर रंग डालते हैं, जिसके बाद होली की परंपरागत शुरुआत होती है।

गोस्वामी के अनुसार, अब मंदिर में टेसू के रंग के साथ-साथ चोवा, चंदन और अबीर-गुलाल से होली खेली जाएगी और यह सिलसिला पूर्णिमा की शाम तक चलेगा। उन्होंने बताया कि मंदिर की परंपरा के अनुसार यहां ठाकुरजी धुलेंडी वाले दिन भक्तों पर रंग नहीं डालते, बल्कि स्वर्ण सिंहासन पर गुलाबी पोशाक पहनकर राजा के रूप में बैठते हैं और अपने भक्तों को होली खेलते देखते हैं। गोस्वामी के

मुताबिक, इसी दिन सुबह मंदिर के सेवायत क्षेत्र में चौपई (भ्रमण) निकालते हैं, जिसके साथ गोस्वामी समाज के लोग समाज गायन (होली के पद) व बधाई गीत गाते चलते हैं।

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के साथ ही ठाकुर राधावल्लभ, ठाकुर राधादामोदर, ठाकुर राधा श्यामसुंदर, ठाकुर राधारमण मंदिर, ठाकुर राधा गोपीनाथ, ठाकुर मदन मोहन मंदिर आदि सप्त देवालयों एवं यशोदानंदन धाम, गोदाहरिदेव दिव्य देश आदि मंदिरों में भी टेसू के रंगों का प्रयोग शुरू हो गया।

मंदिर के सेवायतों ने परंपरानुसार सोने-चांदी की पिचकारी से भक्तों पर टेसू और केसर मिश्रित रंग बरसाया, जिससे श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। चारों ओर लाल, गुलाबी, नीले, पीले रंगों की बौछार से अद्भुत नजारा देखने को मिला।

रंगभरनी एकादशी पर हर साल राधावल्लभ मंदिर से निकाली जाने वाली परंपरागत प्रिया-प्रियतम की रंगीली होली शोभायात्रा मंदिर से अपराह्न एक बजे से प्रारंभ हुई और पूरे नगर में भ्रमण करती हुई शाम को मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। शोभायात्रा में प्रिया-प्रियतम के स्वरूप सुसज्जित रथ पर सवार होकर भक्तों संग होली खेलते जा रहे थे।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन भी मुस्तैद रहा। पुलिस ने शहर में प्रवेश के हर मार्ग पर तिपहिया और चौपहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था, ताकि यातायात सुचारू रहे। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने नगर परिक्रमा की।

सीतारमण ने मणिपुर के लिए 35,104 करोड़ रुपए का बजट लोकसभा में पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में वर्ष 2025-26 के लिए मणिपुर का बजट पेश किया, जिसमें 35,103.90 करोड़ रुपए के व्यय का अनुमान लगाया गया है।

चालू वित्त वर्ष में राज्य के लिए बजटीय आवंटन 32,656.81 करोड़ रुपए था। मणिपुर में वर्तमान में राष्ट्रपति शासन लागू है।

कुल प्राप्तियां 35,368.19 करोड़ रुपए होने का अनुमान किया गया है, जो 2024-25 में 32,471.90 करोड़ रुपए थी।

दस्तावेजों के अनुसार, मार्च 2025 को समाप्त होने वाले चालू

वित्तीय वर्ष में पूंजी परिव्यय 19 प्रतिशत बढ़ाकर 7,773 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

मणिपुर के बजट में पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) के तहत 2,000 करोड़ रुपए से अधिक और सामाजिक क्षेत्र परिव्यय के लिए 9,520 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के लिए राहत और पुनर्वास तथा उन्हें अस्थायी आशेय उपलब्ध कराने के लिए 15 करोड़ रुपए प्रदान किए गए हैं। विस्थापितों के आवास के लिए 35 करोड़ रुपए, राहत अभियान के लिए 100 करोड़ रुपए और मुआवजे के लिए सात करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात पुलिस कर्मियों को प्रोत्साहन राशि देने के लिए 2025-26 में 2,866 करोड़ रुपए का बजटीय आवंटन किया गया है।

सीतारमण ने वर्ष 2024-25 के लिए मणिपुर के संबंध में अनुदान की अनुपूरक मांगों का विवरण सदन में प्रस्तुत किया।

पूरे देश में उठ रहे हैं मतदाता सूची पर सवाल, संसद में चर्चा हो : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विभिन्न राज्यों में मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी का मुद्दा सदन में उठाया और इस पर सदन में चर्चा की मांग की। सदन में शून्यकाल के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों को लेकर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात से सहमत हूं कि मतदाता सूची सरकार नहीं बनाती, लेकिन पूरे देश में मतदाता सूची को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, ''पूरा विपक्ष यह मांग कर रहा है कि मतदाता सूची पर चर्चा हो जाए।''

बाद में राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पूरा विपक्ष संसद में मतदाता सूची पर विस्तृत चर्चा की मांग कर रहा है। महाराष्ट्र की मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर मेरे संवाददाता सम्मेलन को एक महीने से अधिक हो गया है। मगर पारदर्शिता को लेकर निर्वाचन आयोग से हमने जो मांगें की थीं, वो अब तक पूरी नहीं की गई हैं। सवाल आज भी वैसे ही बने हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब मतदाता सूची में नामों के दोहराव के नए सबूत सामने आए हैं, जिससे और भी नए और गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों की रक्षा के लिए यह चर्चा बहुत ज़रूरी है।'' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हर चुनाव में जिस तरह मतदाता सूची की धांधली की खबरें सामने आती हैं, वह हमारे लोकतंत्र के लिए बहुत खतरनाक है। संसद में पूरा विपक्ष चाहता है कि मतदाता सूची पर विस्तृत चर्चा हो। लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए यह चर्चा बहुत ज़रूरी है। सरकार को जिद छोड़कर यह चर्चा करवानी चाहिए।''

अत्याधुनिक अवसंरचना के साथ रेलवे देश के हर कोने में जा रही : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के विकास में रेलवे की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए भारतीय जनता पार्टी के एक सदस्य ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि एक समय था जब ट्रेनों में विस्फोट होते थे, लोगों की जान जाती थी और इसे 'भगवा आतंकवाद' का नाम दिया जाता था लेकिन आज अत्याधुनिक अवसंरचना के साथ रेलवे देश के हर कोने में पहुंच कर अपने समग्र विकास की गाथा खुद लिख रही है।

रेल (संशोधन) विधेयक 2024 पर चर्चा में हिस्सा ले रहे भाजपा सदस्य ब्रजलाल ने कहा कि रेलवे बड़ा नेटवर्क है जिसमें मिलजुलकर काम करना जरूरी है। रेलवे के समस्त विभागों में समन्वित कामकाज के लिए रेलवे बोर्ड जिम्मेदार होता है। इनके अलावा महानिदेशकों की भी अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि रेलवे के

16 जोन हैं। उन्होंने कहा कि सभी को मिलजुलकर काम करना होता है तब ही सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। रेलवे बोर्ड के कामकाज के लिए 120 साल पुराना 1905 का कानून तब की स्थितियों के अनुरूप था जिसे पहले ही बदल दिया जाना चाहिए था लेकिन ''तत्कालीन सरकार ने ऐसा नहीं किया।'' ब्रजलाल ने कहा कि नए संशोधन से पुराना कानून तो निरस्त हो जाएगा लेकिन इसके प्रासंगिक प्रावधान 89 के कानून में समाहित होंगे। नए कानून से रेलवे बोर्ड का पुनर्गठन किया जा सकेगा। अब नियुक्तियों की प्रक्रिया भी पारदर्शी हो जाएगी क्योंकि नए कानून में प्रशासनिक ढांचे के लिए स्पष्ट प्रावधान हैं।

ओडिशा में पांच साल में 72 छात्रों ने आत्महत्या की : मोहन चरण माझी

भुवनेश्वर/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को विधानसभा में बताया कि 2020 से फरवरी 2025 तक ओडिशा के सरकारी और निजी स्कूलों एवं कॉलेजों में कुल 72 छात्रों के आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं।

मुख्यमंत्री माझी ने यह जानकारी विधानसभा में कांग्रेस विधायक सोफिया फिरदौस के एक सवाल के लिखित उत्तर में दी। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के पीछे कई कारण हैं, जिनमें मानसिक दबाव, आरोपियों श्रेरा उत्पीड़न, छात्रावासों में फोन का उपयोग करने से मना करना, शैक्षणिक तनाव, घरेलू कलह और प्रेम संबंधों से उत्पन्न समस्याएं और अवसाद शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और शिक्षकों को मानसिक तनाव के शिकार छात्रों को पहचानने और उनकी मदद करने के लिए प्रशिक्षण देने के वास्ते कदम उठा रही है।

भारत में एमएसएमई विनिर्माण उद्योगों में बंगाल शीर्ष पर: ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बांगल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विनिर्माण उद्योगों की सूची में राज्य शीर्ष स्थान पर है और पूरे देश में महिलाओं श्रेरा संचालित प्रतिष्ठानों का भी राज्य में सबसे अधिक प्रतिशत है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) श्रेरा आयोजित 'असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण' के हाल ही में प्रकाशित निष्कर्षों का हवाला देते हुए बनर्जी ने कई क्षेत्रों में बंगाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रकाश डाला।

बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय श्रेरा आयोजित 'असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण' के हाल ही में प्रकाशित निष्कर्षों ने एक बार फिर एमएसएमई विनिर्माण उद्योगों में बंगाल के शीर्ष स्थान को स्थापित किया है और साथ ही हमारी महिलाओं ने वहां शानदार प्रदर्शन किया है।'' उन्होंने कहा कि पूरे देश में महिलाओं श्रेरा संचालित प्रतिष्ठानों का सबसे अधिक प्रतिशत पश्चिम बंगाल में दर्ज किया गया है जो 36.4 प्रतिशत है।

बनर्जी ने कहा कि 'विनिर्माण उद्यमों' में लगे श्रमिकों के मामले में राज्य सबसे अग्रिम पंक्ति में उभर कर सामने आ रहा है, जिसका योगदान 13.81 प्रतिशत है। उन्होंने लिखा, ''पूरे भारत के स्तर पर पश्चिम बंगाल में 'विनिर्माण' उद्यमों (16.02 प्रतिशत) और 'अन्य सेवा' उद्यमों (13.09 प्रतिशत) का प्रतिशत सबसे अधिक है। भारत में महिला-प्रधान प्रतिष्ठानों का प्रतिशत (36.4 प्रतिशत) सबसे अधिक इसी राज्य में है।''

भाजपा विधायक ने मुस्लिमों से होली पर 'घर में रहने' को कहा, विवाद छिड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक ने मुस्लिमों से होली पर 'घर के अंदर रहने' और 'हिंदुओं को बिना किसी बाधा के उनका त्योहार मनाने' देने की सोमवार को 'अपील' कर विवाद खड़ा कर दिया।

इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से विधायक को आड़े हाथ लेने तथा उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। होली का त्योहार शुक्रवार को है। रमजान का महीना भी चल रहा है।

मधुबनी जिले के बिस्फी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। ठाकुर ने कहा, ''मैं मुसलमानों से अपील करना चाहता हूं कि साल में 52 जुमा (शुक्रवार) होते हैं। उनमें से एक जुमे पर होली का पर्व पड़ रहा है। इसलिए, उन्हें हिंदुओं को त्योहार मनाने देना चाहिए और अगर उन पर रंग लग जाए तो उन्हें बुरा नहीं मानना चाहिए। अगर उन्हें इससे कोई दिक्कत हो तो उन्हें घरों में ही रहना चाहिए। सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए यह

जरूरी है।'' जब उनसे कहा गया कि मुस्लिम रमजान के दौरान रोजा रखते हैं और शुक्रवार को विशेष नमाज पढ़ते हैं तो विधायक ने कहा, ''उनके हमेशा दोहरे मापदंड रहे हैं। वे अबीर-गुलाल बेचने वाले स्टॉल लगाकर, पैसे कमाकर खुश हैं, लेकिन अगर उनके कपड़ों पर कुछ दाग लग जाते हैं, तो उन्हें दोज़ख (नरक) का डर सताने लगता है।''

इस टिप्पणी पर पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि ''यह आपके 'बाप का राज' नहीं है। सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश करने के लिए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए।'' यादव ने कहा, ''लेकिन बचौल को याद रखना चाहिए कि यह बिहार है, जहां आरएसएस-भाजपा और संघ परिवार के मंसूबे हर बार नाकाम हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि वे हमारे मुस्लिम भाइयों में आतंक फैला सकते हैं। लेकिन हमारा देश ऐसा है जहां हर एक मुसलमान की रक्षा कम से कम पांच से छह हिंदू करेंगे।''

आडवाणी ने सीसीआई स्नूकर खिताब की हैट्रिक बनाई

मुंबई/भाषा। स्टार क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने यहां बेस्ट ऑफ 15 फ्रेम में फाइनल में ईशप्रीत चड्ढा को 8-6 से हराकर 13.5 लाख इनामी सीसीआई स्नूकर क्लासिक टूर्नामेंट में खिताब की हैट्रिक बनाई। गत राष्ट्रीय और एशियाई स्नूकर चैंपियन आडवाणी ने रविवार रात कड़े फाइनल में ईशप्रीत के खिलाफ 15-57, 26-101, 18-75, 100-25, 36-93, 118-0, 59-68, 45-77, 64-47, 93-72, 70 -60, 75-32, 73-32, 75-47 से जीत दर्ज की। आडवाणी शुरुआत में लय हासिल करने के लिए जूझ रहे थे और एक समय 1-4 से पिछड़ रहे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह फ्रेम जीतकर जोरदार वापसी की और फिर मुकाबला जीत लिया।

अरुणाचल प्रदेश विधानसभा में 39,842 करोड़ रु. का बजट पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने सोमवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 39,842 करोड़ रुपए से अधिक का बजट पेश किया। उन्होंने अपने बजट भाषण में लोगों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर दिया।

राज्य सरकार ने 2025-26 के बजट में राजस्व प्राप्तियां 34,544.07 करोड़ रुपए और पूंजीगत प्राप्तियां 5,298.16 करोड़ रुपए रहने का अनुमान जताया है। इस तरह कुल प्राप्तियां 39,842.23 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। यह राशि 2024-25 के बजट अनुमान 35,840.79 करोड़ रुपए से 11.16 प्रतिशत अधिक है।

बजट अनुमानों में, राजस्व व्यय 29,963.33 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

मीन ने कहा कि बजट में 966.65 करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटा है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 2.02 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि यह बजट निवेश, बुनियादी ढांचा, अर्थव्यवस्था और नवोन्मेषण पर केंद्रित है।

एकदिवसीय विश्व कप में अभी काफी समय लेकिन भारत को बदलाव के दौर में रोहित की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चैंपियन्स ट्रॉफी के फाइनल के बाद रविवार को रोहित शर्मा की लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दो बार ऐसा हुआ जब उनके संन्यास का मुद्दा उठा। दुबई में चैंपियन्स ट्रॉफी में विजयी अभियान के बाद जब पहली बार इस विषय पर उनसे बात की गई तो भारतीय कप्तान रोहित ने खुलकर जवाब दिया, ''भविष्य की कोई योजना नहीं है, जैसे चल रहा है, चलता रहेगा।''

उन्होंने अगली बार स्वैच्छिक रूप से इसका जिक्र किया। भारतीय कप्तान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के खत्म होने से ठीक पहले कहा, ''एक और बात। मैं इस प्रारूप से संन्यास नहीं लेने जा रहा, बस यह सुनिश्चित करने के लिए बोला कि आगे कोई अफवाह नहीं फैले।'' रोहित का बयान बहुत ही महत्वपूर्ण था क्योंकि जोर 'इस प्रारूप' पर था जो कि 50 ओवर का क्रिकेट है। रोहित ने पिछले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारूप को अलविदा कह दिया था और टेस्ट क्रिकेट में उनके भविष्य को लेकर सवाल बने हुए हैं क्योंकि भारतीय टीम इस साल गर्मियों में इंग्लैंड का दौरा करेगी। भारतीय कप्तान ने महत्वाकांक्षाओं को जोरदार और स्पष्ट रूप से व्यक्त किया और 2027 विश्व कप को लेकर उनके कुछ अधूरे सपने हैं जिसकी मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे।

'इस प्रारूप' पर जोर देकर रोहित ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। जब तक वह रन बना रहे हैं, उम्र कोई बाधा नहीं बनेगी। हालांकि अगले एकदिवसीय विश्व कप तक वह 40 के करीब होंगे। वनडे अब भी उनका पसंदीदा प्रारूप है लेकिन रोहित ने कभी ऐसा नहीं कहा कि वह टेस्ट मैच नहीं खेलना चाहते। असल में ऑस्ट्रेलिया दौरे और उससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू शृंखला को छोड़कर वह टीम के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज रहे हैं।

'2027 विश्वकप खेलूंगा या नहीं, इस पर बयान देने का मतलब नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। रोहित शर्मा जल्द ही वनडे क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं लेकिन वह बहुत आगे के बारे में सोचकर 2027 विश्व कप खेलने की प्रतिबद्धता नहीं देना चाहते हैं क्योंकि ट्रॉफियों की उनकी अलमारी में आईसीसी का सिर्फ यही खिताब मौजूद नहीं है।

रोहित ने रविवार को यहां चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 76 रन की विजयी पारी खेलकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने अपने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि किसी को 'अफवाहें नहीं फैलानी चाहिए।'

हालांकि 'जियो हॉटस्टार' से बात करते हुए भारतीय कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले अगले आईसीसी 50 ओवर के टूर्नामेंट में खेलने के बारे में कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई। रोहित ने फाइनल के बाद कहा, ''फिलहाल मैं चीजों को वैसे ही ले रहा हूं जैसे वे आ रही हैं। मेरे लिए बहुत आगे के बारे में

सोचना उचित नहीं होगा। इस समय मेरा ध्यान अच्छा खेलने और सही मानसिकता बनाए रखने पर है। मैं कोई सीमा नहीं खींचना चाहता और यह नहीं कहना चाहता कि मैं 2027 विश्व कप में खेलूंगा या नहीं। अभी इस तरह के बयान देने का कोई मतलब नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा अपने करियर में एक एक कदम आगे बढ़ाया है। मुझे भविष्य के बारे में बहुत दूर तक सोचना पसंद नहीं है और मैंने अतीत में भी ऐसा नहीं किया है। फिलहाल मैं अपने क्रिकेट और इस टीम के साथ बिताए समय का आनंद ले रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि मेरे साथी भी मेरी मौजूदगी का आनंद लेंगे। इस समय यही मायने रखता है। ''

रोहित ने कहा कि वह हमेशा एक ऐसी भारतीय टीम बनाना चाहते हैं जिसे विपक्ष कभी हल्के में नहीं ले। उन्होंने कहा, ''मैं यह तय नहीं करना चाहता कि दूसरी टीमें हमें किस तरह से देखें। मैं बस यही चाहता हूं कि वे हमें कभी हल्के में नहीं लें। भले ही हमारे पांच विकेट गिर गए हों, लेकिन हमारे पास वापसी करने और खेल को पलटने की क्षमता है। ''

सुविचार

उड़ने में बुराई नहीं है, आप भी उड़ें..लेकिन उतना ही जहाँ से जमीन साफ़ दिखाई देती हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्मांतरण की साजिशों पर लगाम जरूरी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा की गई यह घोषणा कि उनकी सरकार नाबालिगों से दुष्कर्म की सजा की तरह लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराने वालों के लिए भी मृत्युदंड का प्रावधान करेगी, ऐसे लोगों को कड़ी चेतावनी है, जो इस किस्म के कृत्यों में लिप्त हैं। देश में बहला-फुसलाकर, शादी का वादा कर, बेहतर जीवन स्तर के झूठे सपने दिखाकर धर्मांतरण कराने संबंधी गतिविधियां चल रही हैं। खासकर हिंदू बच्चियां इनके निशाने पर होती हैं। उनके दिलो-दिमाग में पूर्वजों के धर्म और मान्यताओं के संबंध में इतनी भ्रांतियां पैदा कर दी जाती हैं कि वे धर्मांतरण के लिए तैयार हो जाती हैं। ऐसे कई मामले देखे गए, जब कोई मासूम बच्ची किसी शातिर मानसिकता वाले शख्स के जाल में फंसी और उसने अपने परिवार से बगावत कर दी। साजिश के तहत उसका धर्मांतरण कराया गया और उसके बाद जो कुछ हुआ, उससे सुनहरे भविष्य के सपने मिट्टी में मिल गए। इसलिए अगर कोई राज्य सरकार बेटियों की सुरक्षा के लिए कोई कठोर कानून लेकर आती है तो उसका स्वागत होना चाहिए। हालांकि ऐसे कानून को लागू करवा पाना आसान नहीं होगा। कुछ लोग इसे न्यायालय में चुनौती दे सकते हैं। वे इसे निजी आस्था का मामला बताकर अदालती हस्तक्षेप की मांग कर सकते हैं। कुछ एनजीओ और कथित थिंक टैंक यह दुष्प्रचार कर सकते हैं कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता को दबाया जा रहा है। इसलिए मप्र सरकार को इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे शब्दों का चयन करते हुए कानूनी प्रावधान करने होंगे, जिससे धार्मिक स्वतंत्रता भी रहे और बेटियों के प्रति कुत्सित मानसिकता रखने वालों के लिए सजा के रास्ते भी खुलें।

बेटियों के धर्मांतरण का समाज पर क्या असर हो सकता है, यह जानना हो तो पाकिस्तान के सिंध में रहने वाले हिंदुओं की आपबीती सुनें। वहां अब तक हजारों मासूम हिंदू बालिकाओं का धर्मांतरण करवा दिया गया है। आज वहां हिंदू लड़कों के विवाह के लिए लड़कियां नहीं मिल रही हैं। उधर कई गिरोह काम कर रहे हैं, जो डरा-धमकाकर, लालच देकर, झूठी दोस्ती कर, हमदर्दी जताकर और किसी न किसी तरीके से हिंदू बच्चियों को अपनी आस्था से दूर करते हुए उनका धर्मांतरण करवा रहे हैं। अब सोशल मीडिया पर ऐसे कई चैनल बन गए हैं, जो उन बेटियों की आवाज उठा रहे हैं। उन्हें कैसे बहला-फुसलाकर जाल में फंसाया गया, कैसे उनकी आस्था को बदला गया, कैसे माता-पिता के खिलाफ बगावत करने को उकसाया गया ... जैसे बिंदुओं पर खुलकर बात की जा रही है। कई लड़कियां, जिनका पहले धर्मांतरण कराया गया था, बाद में सच्चाई उनके सामने आ गई, वे इन चैनलों पर चर्चा में शामिल होकर लोगों को सावधान कर रही हैं। एक मामला (भारत के किसी शहर का) कुछ इस तरह था- सामान्य हिंदू परिवार की एक लड़की पढ़ाई में बहुत अच्छी थी। माता-पिता ने अपनी शक्ति व सामर्थ्य के अनुसार उसे अच्छे स्कूल-कॉलेज तो भेजा, लेकिन अपने धर्म व संस्कारों की कोई खास शिक्षा नहीं दी। पढ़ाई के बाद वह लड़की एक दफ्तर में काम करने लगी, जहां एक सहकर्मी से उसकी घनिष्ठता हो गई। बहुत सीधा और सरल नजर आने वाला वह शख्स अपने 'उदार' विचारों के कारण उस लड़की को बहुत अच्छा लगने लगा। एक दिन वह उसे अपने घर ले गया, अपने परिवार से मिलाया। उन लोगों का व्यवहार भी बहुत 'उदार' था। कुछ महीने बाद लड़की ने माता-पिता को अपने फैसले से अवगत कराया। घर में बहुत झगड़ा हुआ। माता-पिता ने कहा कि 'कम से कम इस बात की तो छानबीन कर लें कि लड़का कैसा है, परिवार कैसा है, उसकी सामाजिक छवि कैसी है', लेकिन उनकी एक न चली। लड़की ने धर्मांतरण कर लिया। उसके बाद शादी हो गई। सालभर में उसे पता लग गया कि दूर के ढोल सुहावने थे। पति ने उसकी सारी जमा-पूंजी ले ली। ससुराल वाले उस पर नई-नई शर्तें थोपने लगे। जब पति से शिकायत की तो उसने कहा कि मैं अपने माता-पिता से ऊपर नहीं हूं, ये जैसा कहेंगे, वैसा करना होगा, अन्यथा ये दूसरी बहू ले आएंगे। उस लड़की को एक संतान हुई, लेकिन उसके बाद ससुराल में रहना दूभर हो गया। उसे लौटकर मायके आना पड़ा। कुछ ऐसी ही कहानी राजस्थान की एक बेटी की है, जिसने धर्मांतरण के बाद एक युवक को अपना हमसफर बनाया। उसे दो लड़के हुए। इस दौरान उसे कुछ स्वास्थ्य समस्याएं हो गईं। उसके ससुराल वाले दोनों लड़कों को रखने के पक्ष में हैं, लेकिन महिला को हमेशा के लिए मायके भेजना चाहते हैं, ताकि उसके शौहर की दूसरी शादी करवा सकें। अगर इन बेटियों को समय रहते अपने धर्म, अपने संस्कारों का ज्ञान दिया होता और सरकार ने अपने स्तर पर कानूनी सुरक्षा उपलब्ध कराई होती तो इनका जीवन ऐसा नहीं होता।

ट्वीटर टॉक

सामाजिक सुरक्षा पेंशन जरूरतमंद लोगों के लिए आजीविका का सहारा है। पेंशन पाने वाले लोग यथा बुजुर्ग, दिव्यांग इत्यादि अधिकांश ऐसे हैं जो कहीं भी आने-जाने के लिए किसी और पर निर्भर रहते हैं इसलिए उनका सत्यापन करवाने के लिए आना भी अपने आप में चुनौतीपूर्ण होता है।

-अशोक गहलोत

पूरा विपक्ष संसद में वोटर लिस्ट पर विस्तृत चर्चा की मांग कर रहा है। महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों को लेकर मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस को एक महीने से अधिक हो गया है। मगर पारदर्शिता को लेकर चुनाव आयोग से हमने जो मांगें की थीं, वो अब तक पूरी नहीं की गई हैं।

-राहुल गांधी

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर माँ भारती के सभी वीर जवानों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! देश के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और आंतरिक सुरक्षा को अभेद्य बनाने वाले आप जैसे वीर सपूतों पर देश को सर्वदा गर्व रहेगा।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

शांत मन से ईश्वरीय अहसास

एक आदमी रात को झोपड़ी में बैठकर एक छोटे से दीये को जलाकर कोई शास्त्र पढ़ रहा था। आधी रात बीत गई। जब वह थक गया तो फूंक मारकर उसने दीया बुझा दिया। लेकिन वह यह देखकर हैरान हो गया कि जब तक दीया जल रहा था, पूर्णिमा का चांद बाहर खड़ा रहा। लेकिन जैसे ही दीया बुझ गया, तो चांद की किरणें उस कमरे में फैल गईं। वह आदमी बहुत हैरान हुआ यह देखकर कि एक छोटे से दीये ने इतने बड़े चांद को बाहर रोक कर रखा। इसी तरह, हमने भी अपने जीवन में अहंकार के बहुत छोटे-छोटे दीये जला रखे हैं, जिसके कारण परमात्मा रूपी चांद बाहर ही खड़ा रह जाता है। जब मन शांत होगा, तभी ईश्वर की उपस्थिति महसूस होगी।

सामयिक

समाज को पुरुषों की पीड़ा भी समझनी होगी

"असल में समाज ने पुरुषों को हमेशा एक मशीन की तरह समझा है। ऐसी मशीन, जो दर्द सहन करती रहे, लेकिन कोई आवाज न करे और ना ही कभी किसी से शिकायत करे। समाज में पुरुष को रोने का अधिकार भी नहीं है। अगर गलती से या भावनाओं में बह कर पुरुष रो भी दे, तो उसे कमजोर कह दिया जाता है।

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल : 78770 70861

आगरा में एक निजी कंपनी में मैनेजर मानव शर्मा के रूप में एक और पुरुष वैवाहिक विवाद की भेंट चढ़ गया। मानव की मौत बताती है कि एक पुरुष भी कहीं ना कहीं मानसिक रूप से कमजोर है और टूटा हुआ है, लेकिन वह अपनी पीड़ा किसी से कह नहीं पा रहा है। मानव की लाइव फांसी का वीडियो हर उस समाज के चेहरे पर तमाचा है, जो हमेशा पुरुषों को केवल मजबूत और सहनशील समझने का दावा करता है। पत्नी के अफेयर, घरेलू प्रताड़ना और झूठे आरोपों से तंग आकर मानव ने आत्महत्या कर ली। यह अकेला मामला नहीं है, बल्कि हर साल लाखों पुरुष ऐसे हालात से गुजरते हैं, लेकिन उनकी आवाज न तो समाज सुनता है और ना ही कानून। वे अपने दर्द में भीतर ही भीतर घुट कर रह जाते हैं और मौत का रास्ता चुन लेते हैं।

पहले बात करते हैं आंकड़ों की। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी कि एनसीआरबी के मुताबिक साल 2020 में कुल 1,53,052 आत्म हत्याएं हुईं, जिनमें से 1,08,532 पुरुष थे। मतलब कुल आत्महत्या का करीब 71 प्रतिशत। वहीं साल 2021 में कुल 1,64,033 आत्महत्याओं में से 1,18,979 पुरुष थे। इसी तरह साल 2022 में पुरुषों की आत्महत्या का यह आंकड़ा 1,19,543 तक पहुंच गया। साल 2015 से 2022 तक आठ सालों में करीब आठ लाख से ज्यादा पुरुषों ने आत्महत्या कर ली। एनसीआरबी का कहना है कि सबसे ज्यादा आत्महत्या करने वाले पुरुषों की वजह वैवाहिक विवाद, मानसिक प्रताड़ना, झूठे दहेज के केस, पत्नी के अवैध संबंध और आर्थिक तंगी रहे। असल में कानूनों का दुरुपयोग होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, 498 ए में दहेज उत्पीड़न के 80 प्रतिशत से ज्यादा केस झूठे पाए गए हैं। एक बार केस लगने के बाद पुरुष की मानसिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति पूरी तरह बर्बाद हो जाती है।

देश में आत्महत्या एक प्रमुख राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है। आंकड़ों के अनुसार, साल 2022 में कुल 1.71 लाख आत्म हत्याएं दर्ज की गई, जो 2021 की तुलना में 4.2 प्रतिशत की वृद्धि और साल 2018 की तुलना में 27 प्रतिशत का उछाल दर्ज करती हैं।

प्रति एक लाख जनसंख्या पर आत्महत्या की दर साल 2022 में बढ़कर 12.4 हो गई है, जो अब तक उच्चतम है। आत्महत्या से मरने वाले पुरुषों में महिलाओं की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य की ज्ञात स्थिति होने की संभावना बहुत कम होती है, जिसके लिए मानसिक स्वास्थ्य प्रणालियों के बाहर रोकथाम बिंदुओं की पहचान करना महत्वपूर्ण है। एक्सपर्ट कहते हैं कि अंतरंग साथी की समस्याएं, कानूनी मुद्दे, बेरोजगारी एवं वित्तीय समस्याएं और स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं जैसे गंभीर जीवन तनाव मध्यम आयु वर्ग के पुरुषों में आत्महत्या के लिए सबसे आम कारण हैं।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि हर साल एक लाख से ज्यादा पुरुष आत्महत्या करते हैं। क्या पुरुषों की पीड़ा को समझने वाला समाज में कोई नहीं है? क्या उनके दर्द को समाज ने पूरी तरह से अनदेखा कर दिया है? गौरतलब है कि कानून में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 498 ए (दहेज उत्पीड़न) और डीवी एक्ट (घरेलू हिंसा कानून) जैसे कई प्रावधान हैं, लेकिन पुरुषों के लिए कोई ऐसा कानून नहीं है, जो उन्हें घरेलू प्रताड़ना से बचा सके। अगर पत्नी झूठा केस भी कर दे, तो पुरुष को दोषी मानकर तुरंत जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी जाती है। एक्सपर्ट का मानना है कि कानूनों का दुरुपयोग हो रहा है। उनका कहना है कि पुरुषों की पीड़ा को भी सुना जाना चाहिए। आखिर उनकी आवाज को कोई क्यों नहीं सुनता?

असल में समाज ने पुरुषों को हमेशा एक मशीन की तरह समझा है। ऐसी मशीन, जो दर्द सहन करती रहे, लेकिन कोई आवाज न करे और ना ही कभी किसी से शिकायत करे। समाज में पुरुष को रोने का अधिकार भी नहीं है। अगर गलती से या भावनाओं में बह कर पुरुष रो भी दे, तो उसे कमजोर कह दिया जाता है।

अगर वह अन्याय के खिलाफ आवाज उठाए, तो उसे महिला विरोधी करार दे दिया जाता है। उसे औरतों का दुश्मन बता दिया जाता है। समाज के मौजूदा हालातों को देखते हुए अब वक्त बदलाव का है। घरेलू प्रताड़ना में पुरुषों के लिए भी कानून बनाए जाने की मांग काफी समय से उठ रही है, जिसके बारे में अब गंभीरता से सोचने की जरूरत है। वहीं झूठे केस करने वालों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किए जाने की भी दरकार है। इसके अलावा समाज को पुरुषों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को भी गंभीरता से समझना होगा। अब पुरुषों के आंसू भी समझने की जरूरत है, समय रहते ऐसा होना चाहिए।

विशेष

बदलते जमाने की रंग बदलती होली

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

होली एक ऐसा त्यौहार है जिसे हर पृष्ठभूमि के लोग मनाते हैं, जिसमें दुश्मनी भुलाकर गले मिलते हैं। फिर भी, एकता और प्यार का यह त्यौहार बदल रहा है। फाल्गुन की खुशियाँ अब दूर की यादों की तरह लगती हैं। होली के रंग, कुछ सालों में फीके पड़ गए हैं। बड़े-बुजुर्ग इस बात पर अफ़सोस जताते हैं कि अब हंसी-मजाक, उत्साह और वह जीवंत भावना नहीं रही जो कभी इस उत्सव की पहचान हुआ करती थी। पानी की बौछारों की आवाज़ और होली की जीवंतता ने कुछ ही घंटों के उत्सव के बाद एक शांत ले ली है। आओ राधे खेलें फाग, होली आई के हर्षोल्लास और उत्सव के इर्द-गिर्द होने वाली मस्ती-मजाक की आवाज़ें समय के साथ दबती जा रही हैं।

फाल्गुन आते ही होली का उत्साह हवा में घुलने लगा। मंदिरों में फाग की ध्वनि गूंजने लगी और हर तरफ़ होली के लोकगीत सुनाई देने लगे। शाम होते ही ढप-चंग के साथ पारंपरिक नृत्यों ने होली के रंग चारों ओर बिखेर दिए। लोग ख़ुशी से एक-दूसरे पर पानी की छींटे मारते रहे और कोई कड़वाहट नहीं थी, बस ख़ुशी थी। होली की तैयारियाँ वसंत पंचमी से ही शुरू हो जाती थीं और समुदाय के आंगन और मंदिर चंग की थाप से जीवंत हो उठते थे। रात में चंग की थाप के साथ नृत्य ने सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लिया। दूर से फाल्गुन गीत और रसिया गाने वाले लोग नृत्य में शामिल होकर तारों की छांव में होली का आनंद मनाते थे। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला है, रिश्तों की गर्माहट फीकी पड़ती नज़र आती है। आजकल होली की बधाई अक्सर मोबाइल या इंटरनेट के जरिए भेजे गए हैप्पी होली के साथ शुरू और ख़त्म होती है। पहले जैसा उत्साह और जश्न का माहौल अब नहीं रहा। पहले बच्चे हर मोहल्ले में होली के लिए समूह बनाकर होली का दान इकट्ठा करते थे और खुशी-खुशी किसी पर भी रंग फेंकते थे। यहाँ तक कि जब उन्हें चिढ़ाया या डांटा जाता था, तो वे हंसते थे। अब ऐसा लगता है कि लोग मौज-मस्ती करने के बजाय बहस करने में ज़्यादा रुचि रखते हैं।

पहले के समय में पड़ोसियों की बहू-बेटियों को परिवार की तरह माना जाता था। घर स्वादिष्ट व्यंजनों की ख़ुशबू से भर जाते थे और मेहमानों का खुले दिल से स्वागत किया जाता था। आज, समारोह ज्यादातर अपने घर तक ही सीमित रह गए हैं और समुदाय की भावना कम होती जा रही है। फ़ोन पर एक साधारण होली मुबारक ने पहले के दिल से जुड़े रिश्तों की जगह ले ली है, जिससे रिश्ते कम मधुर लगने लगे हैं। इस बदलाव के कारण परिवार अपनी बहू-बेटियों को दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलने देने में हिचकिचाते हैं। पहले लड़कियाँ होली के दौरान ख़ुशी और हंसी-मजाक करती हुई खुली हवा में घूमती थीं, लेकिन अब अगर कोई लड़की किसी रिश्तेदार के घर ज़्यादा देर तक रुकती है, तो उसके परिवार में चिंता पैदा हो जाती है।

होली का त्यौहार खुशियों का मौसम हुआ करता था, जिसकी शुरुआत होली के पौधे लगाने से होती थी। छोटी-छोटी लड़कियाँ गाय के गोबर से वलुडिया बनाती थीं, खूबसूरत मालाएँ बनाती थीं, जिन पर आभूषण, नारियल, पायल और बिछिया होती थीं। दुख की बात है कि ये परंपराएँ अब ख़त्म हो गई हैं। पहले घर पर ही टेसू और पलाश के फूलों को पीसकर रंग बनाया जाता था और महिलाएँ होली के गीत गाती थीं। होली के दिन सभी लोग चंग की ताल पर नाचते हुए जश्न मनाते थे। बसंत पंचमी से ही फाग की धुनें गूंजने लगती थीं, लेकिन अब होली के गीत कुछ ही जगह सुनाई देते हैं। परंपरागत रूप से, विभिन्न समुदायों के लोग ढोलक और चंग की थाप के साथ होली खेलने के लिए एकत्रित होते थे। अब वह जीवंत भावना कहाँ चली गई है?

आज, होली महज़ एक परंपरा की तरह लगती है। हाल के वर्षों में, सामाजिक गुस्सा और विभाजन इतना बढ़ गया है कि कई परिवार इस त्यौहार के दिन घर के अंदर ही रहना पसंद करते हैं। वैसे तो लोग सालों से होली का त्यौहार उत्साह के साथ मनाते आ रहे हैं, लेकिन इस त्यौहार का असली उद्देश्य

भाईचारा बढ़ाना और नकारात्मकता को दूर करना है, जो अब कहीं खो गया है। समाज कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और सामाजिक असमानता प्रेम, भाईचारे और मानवता के मूल्यों को ख़त्म कर रही है। एक समय था जब होली एक महत्त्वपूर्ण अवसर था, जब परिवार होलिका दहन देखने के लिए इकट्ठा होते थे और उसी दिन वे खुशी-खुशी एक-दूसरे पर रंग लगाते और अबीर फेंकते थे। समूह होली की खुशियाँ बाँटने के लिए एक-दूसरे के घर जाते और भांग की भावना में डूबे हुए फगुआ गीत गाते थे। अब, वास्तविकता यह है कि होली पर कुछ ही लोग घर से बाहर रहना पसंद करते हैं। हर महीने और हर मौसम में एक नया त्यौहार आता है, जो हमें उस ख़ुशी की याद दिलाता है जो वे ला सकते हैं। ये उत्सव हमें उत्साहित करते हैं, हमारे दिलों में उम्मीद जगाते हैं और अकेलेपन की भावनाओं को दूर करते हैं, भले ही कुछ पल के लिए ही क्यों न हो। हमें इस त्यौहारी भावना को संजोकर रखना चाहिए।

नजरिया

भारत-बांग्लादेश संबंध : विश्वास की नई राह या बढ़ता तनाव?

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भारत और बांग्लादेश का रिश्ता ऐतिहासिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से गहरे संबंधों से जुड़ा हुआ है। दोनों देश एक साझा इतिहास और संस्कृति को साझा करते हैं, लेकिन समय-समय पर विभिन्न कारणों से इन संबंधों में खटास भी देखी गई है। हाल ही में बांग्लादेश के अंतरिम सरकार प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने भारत-बांग्लादेश संबंधों को लेकर एक ईमानदार आकलन प्रस्तुत किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों देशों के पास अच्छे संबंध बनाए रखने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल के दिनों में कुछ मुद्दों के कारण इन संबंधों में तनाव देखा गया है। उनके अनुसार, यह तनाव बाहरी प्रचार' की देन है, लेकिन इस दावे की वैधता को संदेह की दृष्टि से देखा जा सकता है। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के भारत के साथ आरंभिक संबंध कुछ कठिनाइयों से गुज़रे हैं। इसका प्रमुख कारण बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमले और ढाका प्रशासन द्वारा इस मामले को संभालने का तरीका था। इस वजह से नई दिल्ली और ढाका के बीच तनाव की स्थिति बनी रही। इसके अलावा, भारत के लिए एक और चिंता का विषय पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत में उपस्थिति और उनकी हालिया राजनीतिक गतिविधियाँ भी बनी हुई हैं।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पिछले महीने ओमान में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान बांग्लादेशी समकक्ष तौहीद हुसैन से मुलाकात की थी। इसके अलावा, भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने दिसंबर में ढाका की यात्रा की थी। ये दोनों अवसर भारत और बांग्लादेश के लिए आपसी मुद्दों पर स्पष्ट संवाद स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण थे। हालांकि, यूनुस और उनकी सरकार के विभिन्न अधिकारियों ने इन अवसरों का पूरी तरह से उपयोग नहीं किया। इसका एक प्रमुख संकेत यह भी है कि दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा और बांग्लादेशी नागरिकों को जारी किए जाने वाले वीज़ा की संख्या में भारी गिरावट आई। यूनुस ने स्वयं यह स्वीकार किया कि भारत और बांग्लादेश के बीच मजबूत संबंध होना आवश्यक है। खासतौर पर भारत के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके उत्तर-पूर्वी राज्यों की सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि काफी हद तक बांग्लादेश के साथ घनिष्ठ संबंधों पर निर्भर करती है। पिछले एक दशक में दोनों देशों के बीच व्यापार और सुरक्षा सहयोग के कारण इस क्षेत्र को व्यापक आर्थिक लाभ हुआ है। यदि बांग्लादेश भारत के साथ संबंधों को मजबूत बनाए रखना चाहता है, तो उसे नई दिल्ली की चिंताओं और 'रेड लाइन्स' को समझते हुए उनके प्रति अधिक संवेदनशीलता दिखानी होगी।

बांग्लादेश की वर्तमान सरकार को इस बात पर विचार करना चाहिए कि भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रोपेगैंडा या बाहरी प्रचार से नहीं, बल्कि वास्तविक नीतियों और आपसी समझ से निर्देशित किया जाना चाहिए। दोनों देशों को उन तत्वों की पहचान करनी होगी, जो आपसी संबंधों में दरार डालने की कोशिश कर रहे हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच आर्थिक संबंधों की दृष्टि से व्यापारिक आदान-प्रदान को सुगम बनाना आवश्यक है। वर्तमान में भारत, बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। भारतीय कंपनियाँ बांग्लादेश में निवेश कर रही हैं, और बांग्लादेश भारत को विभिन्न वस्तुओं का निर्यात कर रहा है। हालांकि, कुछ व्यापारिक असंतुलन अभी भी मौजूद हैं, जिसे दोनों देशों को मिलकर हल करना होगा।

सुरक्षा के संदर्भ में भी दोनों देशों का सहयोग आवश्यक है। भारत के लिए, बांग्लादेश की स्थिरता का सीधा प्रभाव उसके पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा पर पड़ता है। यदि बांग्लादेश में आंतरिक अशांति या कट्टरपंथी गतिविधियाँ बढ़ती हैं, तो इसका प्रभाव भारत के सीमावर्ती इलाकों पर भी पड़ सकता है। इसलिए, दोनों देशों को सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए निरंतर संवाद बनाए रखना चाहिए।

लोग-से-लोग संपर्क किसी भी द्विपक्षीय संबंध की नींव होते हैं। हाल के दिनों में, भारत द्वारा बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीज़ा प्रतिबंधों को कड़ा किए जाने से दोनों देशों के बीच संबंधों में एक अविश्वास की भावना उत्पन्न हो रही है। इस प्रकार के प्रतिबंधों से व्यापार, शिक्षा और पर्यटन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दोनों देशों को इस मुद्दे को हल करने के लिए एक स्पष्ट नीति बनानी होगी ताकि नागरिकों के बीच विश्वास बना रहे।

राजनीतिक दृष्टिकोण से भी भारत-बांग्लादेश संबंध एक महत्वपूर्ण चरण में हैं। शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश ने भारत के साथ एक स्थिर और मित्रतापूर्ण संबंध बनाए रखा था। लेकिन वर्तमान कार्यवाहक सरकार के तहत, कुछ नए तनाव सामने आए हैं। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता उसके साथ संबंधों को प्रभावित न करे। इसी तरह, बांग्लादेश को भी यह समझना चाहिए कि भारत के लिए उसके साथ स्थिर और विश्वसनीय संबंध बनाए रखना प्राथमिकता है।

आगामी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन भारत और बांग्लादेश के नेताओं के बीच बातचीत का एक महत्वपूर्ण अवसर हो सकता है। यदि इस सम्मेलन के दौरान यूनुस और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बैठक होती है, तो यह दोनों देशों के बीच संबंधों को फिर से मजबूत करने का एक अवसर बन सकता है। इस बैठक में द्विपक्षीय व्यापार, सुरक्षा सहयोग और वीज़ा प्रतिबंधों को लेकर चर्चा की जा सकती है। भारत और बांग्लादेश दोनों को यह समझना होगा कि उनका सहयोग न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों देशों के बीच संबंधों में यदि सुधार होता है, तो यह पूरे क्षेत्र की स्थिरता और विकास में योगदान देगा। इसके लिए, केवल सरकारों को ही नहीं, बल्कि दोनों देशों की जनता को भी आपसी समझ और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना होगा। यह आवश्यक है कि दोनों देश पारस्परिक सम्मान, विश्वास और सहयोग के आधार पर अपने संबंधों को और अधिक मजबूत बनाएं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

लट्ठमार होली

मथुरा के नंदगांव में 'रंगोत्सव 2025' के दौरान 'लट्ठमार' होली मनाते हुए भक्त।

अमेरिकियों को कोई गलती नहीं करनी चाहिए, कनाडा व्यापार युद्ध जीतेगा: मार्क कार्नी

ओटावा/भाषा। कनाडा के अगले प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ''अनुचित शुल्क'' लगाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अमेरिकियों को कोई गलती नहीं करनी चाहिए, क्योंकि कनाडा व्यापार युद्ध में उसी तरह जीतेगा, जैसे वह हॉकी में जीतता है।

कार्नी कनाडा में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के नेता चुने गए हैं और वह जस्टिन ट्रूडो की जगह देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। कार्नी ने रविवार को अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति पर यह सुझाव देने के लिए भी निशाना साधा कि कनाडा को अमेरिका में उसके 51वें प्रांत के रूप में शामिल हो जाना चाहिए। कार्नी (59) ने कहा, ''अमेरिका कनाडा नहीं है। और कनाडा कभी भी, किसी भी रूप में, अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा। इसलिए, अमेरिकियों को कोई गलती नहीं करनी चाहिए...हॉकी की तरह कनाडा व्यापार में भी जीतेगा। लेकिन यह जीत आसान नहीं होगी। हम अपने जीवन के सबसे बड़े संकट का सामना कर रहे हैं। हमें असाधारण काम करने होंगे...साथ मिलकर।''

कनाडा के केंद्रीय बैंक के पूर्व प्रमुख कार्नी ने अपने संबोधन में ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई है जो हमारी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।कार्नी ने कहा, ''हम जो बनाते हैं, जो बेचते हैं, जिस तरह से हम जीविकोपार्जन करते हैं, उस पर ट्रंप ने अनुचित शुल्क लगा दिए हैं। वह कनाडाई श्रमिकों, परिवारों और व्यवसायों को निशाना बना रहे हैं। हम उन्हें सफल नहीं होने दे सकते।'' उन्होंने कहा कि कनाडाई सरकार अपने शुल्क के साथ सही तरीके से जवाबी कार्रवाई कर रही है जिसका अमेरिका में अधिकतम प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''मेरी सरकार तब तक शुल्क को जारी रखेगी जब तक अमेरिकी हमें सम्मान नहीं देते... और मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के लिए विश्वसनीय, भरोसेमंद प्रतिबद्धता नहीं देते।''कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने के ट्रंप के सुझाव की ओर परोक्ष तौर पर इशारा करते हुए कार्नी ने कहा, ''अमेरिकी हमारे संसाधन, हमारे पानी, हमारा जमीन, हमारा देश चाहते हैं। एक पल के लिए इस बारे में सोचें। अगर वे सफल होते हैं, तो वे हमारे जीवन के तरीके को नष्ट कर देंगे।''

ट्रंप ने कहा था कि वह कनाडा को अमेरिका का हिस्सा बनाने के लिए आर्थिक बल का इस्तेमाल करेंगे।

कार्नी ने कहा, ''जीवन जीने का आनंद, संस्कृति और फ्रेंच भाषा हमारी पहचान का हिस्सा हैं। हमें उनकी रक्षा करनी चाहिए, हमें उन्हें बढ़ावा देना चाहिए।

विदेश मंत्री जयशंकर की ब्रिटेन की यात्रा संपन्न, साझेदारी को 'नई गति' मिलने की उम्मीद

लंदन/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर का ब्रिटेन दौरा रविवार को संपन्न हुआ और इस दौरान दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों की पुष्टि हुई तथा व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने की दिशा में काम हुआ। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी की मेजबानी में टोटेनहम हॉटस्पर स्टेडियम के दौरे के साथ जयशंकर ने अपनी यात्रा का समापन किया। ब्रिटेन और आयरलैंड के लगभग एक सप्ताह के दौरे के अंतिम दिन रविवार को विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गुड मैच इन ग्रेट कंपनी (शानदार लोगों के साथ अच्छा मैच देखा)। वह स्टेडियम में टोटेनहम बनाम बोर्नमाउथ फुटबॉल मुकाबले के लिए लैमी के साथ स्टेडियम गए थे।

बयान में जयशंकर की कई उच्च-स्तरीय बैठकों का संक्षिप्त ब्योरा दिया गया है, जिसमें चेवनिंग हाउस में लैमी के साथ ''व्यापक'' वार्ता, ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर, उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर, व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स और गृह मंत्री यवेट कूपर के साथ चर्चा शामिल हैं। ब्रिटेन की यात्रा के दौरान जयशंकर ने बेलफास्ट और मैनचेस्टर में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया और सरकार, व्यवसाय, शिक्षा तथा भारतीय प्रवासियों के प्रमुख हितधारकों के साथ संवाद किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''इस यात्रा ने भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत संबंधों की पुष्टि की, जिससे भारत-ब्रिटेन की व्यापक रणनीतिक साझेदारी में नई गति आई।'' ''इस यात्रा ने उभरते वैश्विक परिदृश्य में राजनीतिक, आर्थिक और लोगों से लोगों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।''

उद्घाटन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सोमवार को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में एबीवीपी द्वारा आयोजित 'छात्र संसद' कार्यक्रम का उद्घाटन करती हुई।

ईरान ने कहा कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम के सैन्यीकरण से जुड़ी चिंताओं पर बातचीत के लिए तैयार

तेहरान। ईरान ने रविवार को कहा कि वह उस स्थिति में अमेरिका के साथ बातचीत पर विचार कर सकता है जब वार्ता उसके परमाणु कार्यक्रम के सैन्यीकरण की चिंताओं तक ही सीमित हो।

संयुक्त राष्ट्र के लिए ईरान के मिशन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यदि वार्ता उसके परमाणु कार्यक्रम के सैन्यीकरण की चिंताओं तक ही सीमित है तो ऐसी चर्चाओं पर विचार किया जा सकता है।'' इससे एक दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामनेई ने अमेरिका के साथ वार्ता को अस्वीकार कर दिया था और कहा था कि उसका उद्देश्य ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर रोक लगाना है। दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि उन्होंने ईरान को एक पत्र भेजा है जिसमें उन्होंने तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाने तथा अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका को जिस परमाणु समझौते से अलग कर लिया था, उसके स्थान पर एक नया समझौता करने की बात की है।

ट्रंप की बात के बाद खामनेई ने वार्ता से इनकार कर दिया था।

खामनेई ने कहा कि अमेरिका की मांगें सेना से जुड़ी और ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव से संबंधित होंगी। उन्होंने कहा था कि ऐसी वार्ताओं से ईरान और पश्चिमी देश के बीच की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। रविवार को जारी ईरान के सरकारी बयान में सैन्यीकरण के संबंध में चिंताओं को लेकर बातचीत पर रजामंदी जताई गई लेकिन इस बात पर जोर दिया गया कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत नहीं करेगा क्योंकि ये कार्यक्रम शांतिप्रिय उद्देश्यों के लिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के लिए ईरान के मिशन ने कहा, ''हालांकि, यदि इसका उद्देश्य ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना है और यह दावा करना है कि जो हासिल करने में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा विफल रहे, वह अब पूरा हो गया है, तो ऐसी वार्ता कभी नहीं होगी।''

प्रदर्शन

तिब्बती समुदाय के सदस्य सोमवार को नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर 66वें तिब्बती विद्रोह दिवस के उपलक्ष्य में प्रदर्शन करते हुए।

शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी ऑन-स्क्रीन परफेक्ट होगी : गजराज राव

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने अभिनेता गजराव राव ने कहा है कि शालिनी पांडे और कार्तिक आर्यन की जोड़ी ऑन-स्क्रीन परफेक्ट होगी। शालिनी पांडे इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज़ हुई सीरीज़ 'डब्बा कार्टेल' की सफलता का आनंद ले रही हैं, जिसमें शबाना आज़मी और ज्योतिका भी अहम भूमिका में हैं। इस शो को दर्शकों और प्रशंसकों से खूब सराहना मिल रही है, खासतौर पर शालिनी के किरदार 'राजी' को काफी पसंद किया जा रहा है। हाल ही में आयोजित आइफा अवॉर्ड्स में दिग्गज अभिनेता गजराज राव ने शालिनी पांडे को कार्तिक आर्यन के साथ ऑन-स्क्रीन पेयरिंग के लिए एक बेहतरीन विकल्प बताया। गजराज राव ने कहा, मेरे दिमाग में दो नाम आते हैं। पहला है शिवानी रघुवंशी, जिनके साथ मैंने 'दुपहिया' में काम किया था,और दूसरा है शालिनी पांडे, जिनके साथ मैंने हाल ही में 'डब्बा कार्टेल' नाम की वेब सीरीज़ की थी। वो कार्तिक आर्यन के लिए एक बेहतरीन ऑन-स्क्रीन पार्टनर हो सकती हैं।

'अर्जुन रेड्डी', 'जयेशभाई जोरदार', 'महाराज' और हाल ही में रिलीज़ हुई 'डब्बा कार्टेल' जैसी दमदार फिल्मों में अपनी प्रभावशाली अदाकारी से दर्शकों को प्रभावित कर चुकीं शालिनी पांडे ने सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई है। अब गजराज राव की ये सिफारिश उनके और कार्तिक आर्यन के बीच संभावित सहयोग को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा रही है। कार्तिक की आकर्षक शख्सियत और शालिनी की दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस के साथ, यह जोड़ी बड़े पर्दे पर नई और दिलचस्प केमिस्ट्री पेश कर सकती है।

यशराज फिल्म्स की फिल्म में काम करेंगी श्रिया पिलगांवकर

मुंबई/एजेन्सी

सचिन पिलगांवकर और सुप्रिया पिलगांवकर की पुत्री और अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर यशराज फिल्मस (वाईआरएफ) की आगामी फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं। श्रिया पिलगांवकर ने वर्ष 2016 में वाईआरएफ के बैनर तले बनीं फिल्म फैन के जरिये बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की थी। इस फिल्म में श्रिया ने शाहरुख खान के साथ काम किया था। श्रिया, निर्देशक मनीष शर्मा द्वारा 750 लड़कियों के ऑडिशन से फिल्म फैन के लिये चुनी गई। उन्होंने जल्द ही अपनी पहचान बना ली। श्रिया ने एमी-नॉमिनेटेड मिर्जापुर, ब्रिटिश सीरीज़ बीचम हाउस, गिल्टी माइंड्स, ब्रोकन न्यूज़ और ताज़ा ख़बर जैसी परियोजनाओं में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा अर्जित की। श्रिया नई परियोजना के लिए यशराज फिल्म्स में लौट आई हैं। सोशल मीडिया पर श्रिया द्वारा साझा की गई हाल ही में पर्दे के पीछे की एक तस्वीर ने प्रशंसकों के बीच अटकलों की लहर पैदा कर दी, जिन्होंने उनके हाथ में वाईआरएफ की स्क्रिप्ट देखी। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र के अनुसार, श्रिया बिल्कुल नए अवतार में नज़र आएंगी, जो रोमांच को और बढ़ा देगा।

ज़ी सिनेमा पर होगा 'सिंघम अगेन' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर होली के अवसर पर 14 मार्च को किया जायेगा। सिंघम अगेन का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर इस शुक्रवार, 14 मार्च, रात 8 बजे जी सिनेमा पर किया जायेगा।इस बार जबर्दस्त स्टारकास्ट के साथ फिल्म का स्केल और भी बड़ा हो गया है। अजय देवगन फिर से अपने आइकॉनिक अवतार में बाजीराव सिंघम बनकर लौट रहे हैं,और उनके साथ अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ की ऐसी फौज है, जो किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटने वाली। ये सभी जांबाज़ योद्धा एक ही मकसद के लिए लड़ेंगे, अन्याय का खात्मा और बुराई का सर्वनाश, लेकिन मुकाबला आसान नहीं होगा, क्योंकि इस बार खतरनाक विलेन बनकर सामने आ रहे हैं अर्जुन कपूर, डेंजर लंका के किरदार में, जो पूरी ताकत से तबाही मचाने को तैयार है।

वहीं, करीना कपूर खान एक बार फिर सिंघम की पत्नी अवनी के दमदार किरदार में नज़र आएंगी, जो इस कहानी में जज़्बातों की गहराई लेकर आती हैं। जब अवनी का अपहरण होता है, तो उन्हें बचाने के लिए सिंघम अपनी टीम के साथ श्रीलंका में घुसकर दुश्मनों का सफाया करने निकलता है ,जहां एक ऐसी जंग छिड़ती है, जो अब तक सबसे बड़ी परीक्षा बनकर सामने आती है। अजय देवगन ने कहा,सिंघम हमेशा मेरे लिए खास रहा है,और इस किरदार को जो प्यार दर्शकों से मिला है, वो वाकई दिल छू लेने वाला है। इस बार ये और भी बड़ा है। ये सिर्फ सिंघम की नहीं, बल्कि जांबाज़ योद्धाओं की एक पूरी फौज की कहानी है, जहां हर कोई अपनी ताकत लेकर इस जंग में उतर रहा है। हर पंच, हर डायलॉग और हर पल उसी जज़्बे से भरा है, जिसने सिंघम को एक अजेय ताकत बनाया। इस होली, तैयार हो जाइए जबर्दस्त एक्शन, ड्रामा और एनर्जी के लिए, क्योंकि 14 मार्च को 'सिंघम अगेन' का प्रीमियर हो रहा है सिर्फ ज़ी सिनेमा पर।

फिल्म 'सिकंदर' से सलमान खान का होली गाना 'बम बम भोले' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म सिकंदर का होली गाना 'बम बम भोले' का टीजर रिलीज हो गया है। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म 'सिकंदर' का निर्देशन ए. आर. मुरुगादॉस ने किया है, जबकि इसे साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। सलमान खान पर फिल्माया गया मच अवेटेड होली ट्रैक बम बम भोले का टीज़र रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है। गाने की शुरुआत जबरदस्त रैप से होती है,जो गाने में एक अलग ही जोश भर देता है।

रंगों से भरे धमाकेदार सीन और एनर्जी से लबरेज़ बीट्स इस गाने को होली का परफेक्ट एंथम बना रहे हैं। टीज़र ने दर्शकों का एक्साइटमेंट और बढ़ा दिया है, अब सबको इसके फुल वर्जन का बेसब्री से इंतजार है।यह गाना कल रिलीज़ होने वाला है। बम बम भोले में शेखस्पीयर, वाई-ऐश और हुसैन (बॉम्बे लोकल) द्वारा लिखा और प्रस्तुत किया गया दमदार रैप शामिल है, जो गाने को और भी जोशीला बना देता है। खास बात यह है कि इस रैप में किड रैपर्स भीमराव जोगू, सरफराज शेख और फैजल अंसारी (द धारावी ड्रीम प्रोजेक्ट) भी नजर आएंगे, जो ट्रैक में एक रॉ, एनर्जेक्टिक वाइब जोड़ते हैं।इस गाने को संगीत के उस्ताद प्रीतम ने कंपोज किया है। गौरतलब है कि सलमान खान आगामी ईद पर 'सिकंदर' के साथ बड़े पर्दे पर वापस आ रहे हैं। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'ब्लाइंडसीडेड' 14 को रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक केडी संधू की फिल्म 'ब्लाइंडसीडेड' 14 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म 'ब्लाइंडसीडेड' की कहानी कश्मीर के पृष्ठिभूमि के इर्द गिर्द घूमती है। कश्मीर में गुप्त ऑपरेशन के दौरान अपनी दृष्टि खो देने वाला जय एक सैन्यकर्मी है, जो अपनी मंगेतर जेनिफर के साथ अपनी नई जिंदगी शुरू कर रहा है। जैसे ही खुशी की उम्मीद जगी, चीजें तब बदल जाती हैं जब अल हसन मिजरी के सिंडिकेट की सदस्य सोफिया और रोलेक्स उनकी जिंदगी को दयनीय बना देती हैं। वे जो चाहते हैं उसे पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

एक्शन और थ्रिल से भरपूर यह फिल्म एक खास तरह का मैसेज देती है। पचास से ज्यादा फिल्मों में मेन विलेन का किरदार निभा चुके अभिनेता केडी संधू इस फिल्म के लेखक-निर्माता और निर्देशक हैं। उन्होंने कहा,बॉलीवुड में मैंने 1996 से अभिनेता के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। अब तक मैंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। डेविड धवन, गुड्डू धनोआ, देव आनंद, गुलजार साहब, राजकुमार संतोषी, इमरान खालिद जैसे बॉलीवुड के कई दिग्गज निर्देशकों के साथ सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया और स्टंट डायरेक्शन के रूप में मैंने टीनू वर्मा, श्याम कौशल, राम शेट्टी, जय सिंह निज्जर, मोहन बगड़, वीरू देवगन आदि के साथ काम किया है।

केडी संधू ने बताया फिल्म इंडस्ट्री में इतना काम करने के बाद अब मैं अपने बैनर मिकी फ्लिक्स एंटरटेनमेंट फिल्म और केडी आर्ट्स फिल्म्स इंटरनेशनल के सहयोग से अपने होम प्रोडक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म ब्लाइंडसीडेड का निर्माण और निर्देशन किया है।इस फिल्म की कहानी भी मैंने ही लिखी है। फिल्म में लीड भूमिका निभा रहे उधय बीर संधू इस फिल्म से काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी थ्रिलर फिल्म है। जो दर्शकों को एक खास मैसेज देगी। फिल्म की कहानी के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग हमने मुंबई, चंडीगढ़, राजस्थान के विभिन्न स्थानों के अलावा यूरोप के अरमानिया, ग्रीस और जॉर्जिया में शूटिंग की है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 11-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आपसी सद्भावना के कम होने से मानवता कलंकित होती है, जीवन को सुकून और शांति नहीं मिलती, दुर्भावना के कारण मन में द्वेषभाव उत्पन्न होता है, ये सब जीवन की उन्नति के लिए बाधक तत्व हैं, इसीलिए सर्वप्रथम आपसी सद्भावना का विकास होना चाहिए। धर्म-आध्यात्म की बातों का क्रम उसके बाद आता है। साधु-संतों और प्रबुद्धजनों को, लोगों में आपसी सद्भावना बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य करना चाहिए। जो लोगों को बांटने का काम करते हैं, वे धर्म और मानवता को कलंकित करते हैं। आने वाला समय इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। दुर्भावना से भरे मन को शांति कभी नहीं मिलती।

जीतो चेन्नई प्लस द्वारा कृत्रिम अंग पाकर दिव्यांगों के खिले चेहरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चूलै स्थित आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगों हेतु कृत्रिम अंग वितरण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह शिविर जीतो चेन्नई प्लस द्वारा प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत ईश वंदना के साथ की गई तत्पश्चात आदिनाथ जैन ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. मोहन मनोज गुलेछा ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा पिछले कई वर्षों से दिव्यांगों हेतु चलाए जा रहे। विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी उपस्थित दिव्यागजनों के समूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ट्रस्ट कई वर्षों से इसी प्रकार से शिविर लगाकर दिव्यांगों की निःशुल्क सहायता कर रहा है यह विराट कार्य उन सभी उदार दानदाताओं के संयोग से ही संभव हो पा रहा है जो समय समय पर ट्रस्ट को यथा संभव आर्थिक सहयोग करते रहते है।

आज इसी कड़ी में जीतो चेन्नई प्लस ने उदारता दिखाते हुए आप सभी की सहायता करने के लिए उत्सुक है। डॉ. मनोज गोलेछा ने बताया कि इन शिविरों के आयोजन पर प्रति माह 18 लाख रुपए से ज्यादा की धनराशि खर्च की जा रही है ट्रस्ट बिना किसी जातीय, धार्मिक भेदभाव के मानव सेवा के अपने मिशन को आगे बढ़ा रहा है। इसके साथ ही अनेक समाज उपयोगी कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। जैसे टेलरिंग क्लासेज, जनरल क्लीनिक, एक्यूप्रेशर, फिजियोथैरिपी इत्यादि। डॉ. गोलेछा ने बताया कि जैन धर्म के अनुसार शिविर से लाभान्वित होने वाले प्रत्येक दिव्यांगों को मांसाहार का त्याग कर शाकाहार बनने हेतु प्रेरित किया। अंगदान शिविर में जीतो चेन्नई प्लस के उपाध्यक्ष जयंतीलाल छल्लानी उदय मेहता, महावीर लूणावत (अरिहंत बिल्डर), दिलीप चंदन, श्रद्धा सुराना, कमलेश झाबक, प्रमोद चोरड़िया आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आदिनाथ जैन ट्रस्ट द्वारा उपस्थित अतिथियों का शाल माला भेंट कर सम्मान किया।

साध्वी उदितयशा का तमिलनाडु सीमा प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसुर। चेन्नई के साहुकारपेट भवन में चातुर्मास हेतु विहाररत आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री उदतियशाजी का कर्नाटक से विहार के उपरांत होसुर शहर में मंगल प्रवेश किया। गांधीनगर में प्रभावक चातुर्मास की सम्पन्न कर विहार यात्रा के दौरान कर्नाटक के अनेक शहरों से विहार करते हुए। साध्वी श्री उदित यशा जी ने कहा कि आज हमारा मंगलभावना भी है ओर मंगल प्रवेश भी है। राज्यों की सीमा पार करते हुए आज हम कर्नाटक की सीमा पार कर तमिलनाडु में पहुंचे हैं। गुरुदेव की कृपा से जिस प्रकार गांधीनगर चातुर्मास श्रद्धा-भक्ति से परिपूर्ण रहा उसी प्रकार चेन्नई चातुर्मास भी हर दृष्टि से सफल रहे ऐसी मंगल भावना करते हैं। सबमें सद्भावना व नैतिकता के विकास के साथ जीवन में पवित्रता का भाव प्रकट होता रहे। साध्वीश्री संगीत प्रभा जी ने कहा हमने कर्नाटक में एक वर्ष एक महीना एक दिन का प्रवास कर सोमवार को तमिलनाडु में प्रवेश किया है। साध्वीश्री भव्य यशाजी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। साध्वीवृन्द ने गीतिका की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में चेन्नई सभा अध्यक्ष अशोक खतंग, तेयुप अध्यक्ष संदीप मूथा, महासभा प्रतिनिधि विमल चिप्पड़, विजय सुराणा, महेंद्र गिरिया, विनय सेठिया, प्रकाश कटारिया ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए साध्वीश्री का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए आगामी यात्रा के प्रति मंगल कामना की। सभा के मंत्री गजेन्द्र खांटेड़ ने संचालन किया।

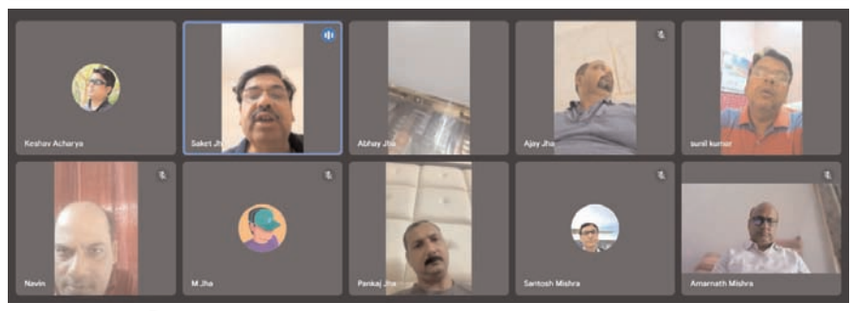

मैथिल परिवार चेन्नई का होली मिलन 16 को, बैठक हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मैथिल परिवार चेन्नई आगामी 16 मार्च को आयोजित होने वाली होली मिलन कार्यक्रम की तैयारी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक बुलाई जिसमें दर्जन से भी अधिक अधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। 16 मार्च को यहां डीजी वैष्णव कॉलेज के सभागार में होली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें तमिलनाडु फायर एंड रेस्क्यू विभाग के डीजीपी मुख्य अतिथि आमंत्रित किए गए हैं।

इस आयोजन को रंगारंग बनाने के लिए मिथिला के प्रसिद्ध गायक विकास, सुश्री जुली झा सुश्री स्वाति झा को आमंत्रित की गई है। सायं 4 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक चलने वाले इस होली स्नेह मिलन में बड़ी संख्या में मैथिल वासी जुटने की संभावना है।

होली के रंग मस्ती के संग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एम के बी नगर माहेश्वरी समिति द्वारा रविवार को स्थानीय रेनबो के खुले मैदान मे होली स्नेह मिलन का आयोजन किया गया जिसमें करीब 75 लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई।

कार्यक्रम की शुरुवात महेश वंदना से की गई। प्रदीप कुमार माहेश्वरी ने पधारे हुए सभी सदस्यों का तहेदिल से स्वागत किया तथा भविष्य में इस तरह और भी कार्यक्रम करने की सूचना दी। घनश्याम लखानी ने बताया कि एम के नगर में करीब 35 से ज्यादा माहेश्वरी परिवार रहते हैं। उन्होंने सभी को एकजुट होने का आह्वान किया।

अरुण बागरी ने बताया कि पंद्रह साल के अंतराल से यह कार्यक्रम को फिर से शुरु करने का एक प्रयास है तथा उन्होंने कहा की सभी समिति से जुड़े रहे। गोपाल राठी ने कार्यक्रम के साज सजवाट का काम बड़ी बखूबी से निभाया। समता लखानी, इंदु द्वारकनी, अर्चना भट्टर के अथक प्रयास ने सभी सदस्यों को झुमाकर कार्यक्रम मे चार चांद लगा दिया।

कुशल माहेश्वरी और सुमित द्वारकनी की युगल जोड़ी ने आए हुए सभी सदस्यों के गालों पर गुलाल मल कर होली की शुभकामनाएं दी।

शांतिसूरी गुरुदेव नूतन भवन उद्घाटन एवं चित्रपट की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां चोकंपुदुर, पोनियाराज पुरम् के गोपाल लेआउट में शांतिसूरी जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित गुरु मंदिर का नूतन भवन उद्घाटन और चित्र पट स्थापना कार्यक्रम में साध्वीजी प्रिय सोमंजनाश्रीजी के सान्निध्य के बड़े हर्ष के साथ सम्पन्न हुआ। सुबह स्नात्र पूजन किया गया। तेरापंथ भवन से भव्य वरघोड़ा निकाला गया। समस्त जैन समाज के लोगों ने लाभार्थी परिवार के साथ गुरुदेव की फोटो फ्रेम के साथ बैंड बाजे के साथ गोपाल लेआउट पहुंचकर नूतन ओटाजी भवन पहुंचे। भवन के लाभार्थी परिवार भाग्यवंती फूलचंद भंडारी परिवार द्वारा साध्वीजी के आशीर्वाद प्राप्त करके ओटाजी भवन का उद्घाटन किया गया। सभी का स्वागत संघ अध्यक्ष पोपटलाल जैन ने किया। संचालन सुरेश गुंदेसा ने किया। चित्र पट की स्थापना की स्थापना विमला बाई देवीचंद गांधी परिवार ने किया। पद्मावती देवी की चित्र पट की स्थापना सुगंधि देवी कांतिलाल गांधी परिवार और सरस्वती देवी की चित्र पट की स्थापना बबीबाई प्रतापचंद नानेशा परिवार ने लाभ लिया। साध्वीश्री ने मंत्रोच्चार से सभी चित्र पट की स्थापना की।

आईजी गैर मंडल ने गैर नृत्य प्रस्तुत किया

मैसूरु/दक्षिण भारत । शहर के केआरएस रोड स्थित आईमाता मंदिर के प्रांगण में श्री आईजी गैर मंडल द्वारा होली के उपलक्ष्य में रोजाना गैर नृत्य की प्रस्तुत दी जा रही है। राजस्थानी ढोल की थाप पर महिलाएं नृत्य कर रही हैं। गैर मंडल के अध्यक्ष रूपाराम राठौड़ ने बताया कि गुरुवार के दिन रात्रि में होलिका दहन किया जाएगा तथा अगले दिन नवजात बच्चों की ढूँढ पूजा होगी। इस अवसर पर सीरवी समाज के अध्यक्ष मोटाराम सोलंकी, गैर मंडल के उपाध्यक्ष गोपाराम सोलंकी, सेवा संघ के अध्यक्ष चैनाराम राठौड़, सचिव मोहनलाल चोयल सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया।

नारीत्व का उत्सव स्वर धारा 'कवि सम्मेलन' का आयोजन

श्रीमती सुनीता यशपाल गोलेछा को प्रेरणा सम्मान प्रदत्त किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ महिला मंडल चेन्नई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारीत्व का उत्सव 'स्वर धारा' (कवि सम्मेलन) एवं प्रेरणा सम्मान समारोह साहुकारपेट के तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया। अध्यक्ष लता पारीख की शुभेच्छा के साथ उपाध्यक्ष रीमा सिंघवी ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किया। इस वर्ष 2024-25 का प्रेरणा सम्मान सुनीता यशपाल गुलेच्छा को प्रदत्त किया गया। श्रीमती सुनीता यशपाल एक प्रतिभा संपन्न साहित्यकार होने के साथ-साथ बिजनेस में भी गहरी रुचि रखती हैं। जैन दर्शन को समृद्ध बनाने एवं समाज में उनके प्रचार प्रसार में आपका अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। आप ने सामान्य शिक्षा के साथ जैनत्व और व्यवसाय इत्यादि विषयों में अध्ययन किया हैं। महिला मंडल पदाधिकारी, अभातेममं कार्यसमिति सदस्या माला कातरेला, दीपा पारीख ने सुनीता यशपाल को प्रेरणा सम्मान के रूप में प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

इस अवसर पर स्वर धारा कवि सम्मेलन में कवियत्रीगण आकांक्षा बरनवाल, सरिता 'सरगम, मोहिनी चौरडिया, वनिता पगारिया, डॉ. मंजु रुस्तगी, पमिता खीचा, शिल्पा जैन, ज्योति मेहता, दिव्याजी दिवेदी ने वीर, हास्य, व्यंग्य, संग्रह, नारी सृजन पर सुंदर कविता पाठ के साथ अपने भावों से सभा में जोश भरा। अनेकों महिला मण्डल सदस्याओं ने कवियत्रीगणों के परिचय के साथ अपने अपने विचार व्यक्त किए।

'नारी तेरे रूप' विषय पर भाषा साहित्य मंच की काव्य गोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाषा साहित्य मंच द्वारा रविवार को महिला दिवस के उपलक्ष्य में नारी तेरे रूप विषय पर काव्य गोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया। मंच की वरिष्ठ सदस्या एवं सह-संयोजिका डॉ वत्सला किरण ने अध्यक्षता की। मंच की संस्थापिका अध्यक्ष डॉ उषा श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया।

गोष्ठी में शामिल कवयित्रियों, डॉ सुमन मलहोत्रा, रीना दयाल, ऋता शेखर, डॉ. उषा श्रीवास्तव, डॉ. वत्सला किरण, डॉ लावण्या, सरिता श्रीवास्तव, डॉ शांति मोहनन, डॉ भूमिका श्रीवास्तव, भगवती सक्सेना, अर्चना सिंह, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, डॉ मंजरी पाठक, गीता चौबे, त्रिशला मिश्रा ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी।

गोष्ठी की अध्यक्षा डॉ वत्सला किरण ने कहा कि आदि काल से ही भारत वर्ष में नारी का सम्मान रहा है। प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.